05 मार्च 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

समान काम के बदले समान वेतन की मांग पर अड़े होमगार्ड जवान

2

राज्य सरकारें किफायती इलाज और बुनियादी ढांचा देने में पूरी तरह नाकाम: सुप्रीम कोर्ट

- याचिका की सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा वे प्राइवेट अस्पतालों को कंट्रोल करें, जो मरीजों को अस्पताल की दुकान से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'राज्य सरकारें किफायती चिकित्सा और बुनियादी ढांचा देने में नाकाम रही हैं। इससे प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा मिल रहा है। इसे रोकने के लिए केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनानी चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी, जिसमें कहा गया था कि प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवारों को अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाएं और मेडिकल इक्विपमेंट खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। इसलिए ऐसे अस्पतालों पर नकेल कसी जाए। इसे रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए।

जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने इस पर सुनवाई की। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि मरीजों को अस्पताल की फार्मेसी से दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने अस्पतालों में दवाएं और

मेडिकल सेवाएं सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराएं ताकि मरीजों का शोषण न हो।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम याचिकाकर्ता की बात से सहमत हैं, लेकिन इसे कैसे नियंत्रित करें? कोर्ट ने राज्य सरकारों से कहा कि वे प्राइवेट अस्पतालों को कंट्रोल करें, जो मरीजों को अस्पताल की दुकान से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। खासकर वे दवाइयां जो किसी और जगह सस्ते में मिल जाती हैं।'कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनाने को कहा, जिससे प्राइवेट अस्पताल आम लोगों का शोषण न कर सकें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों को नोटिस भेजा था।

ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने जवाब दाखिल किए थे। दवाइयों की कीमतों के मुद्दे पर राज्यों ने कहा कि वे केंद्र सरकार के प्राइस कंट्रोल ऑर्डर पर निर्भर हैं। केंद्र सरकार ही तय करती है कि किस दवा की क्या कीमत होगी।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी... मियां-टियां' या 'पाकिस्तानी' कहना अपराध नहीं

नई दिल्ली। मियां-टियां' या 'पाकिस्तानी' कहना भले सुनने में ठीक नहीं लगता हो, लेकिन ऐसे मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा अपराध नहीं बनता। सुप्रीम कोर्ट अपने एक फैसले में यह टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने इस प्रावधान के तहत एक आरोपी को दोषमुक्त करते हुए कहा कि यह टिप्पणी, हालांकि अनुचित थी, लेकिन आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए जरूरी कानूनी बाध्यता को पूरा नहीं करती। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी हरि नंदन सिंह के खिलाफ मामला बंद करते हुए यह फैसला सुनाया। सिंह पर आरोप था कि उसने एक सरकारी कर्मचारी को उस समय 'पाकिस्तानी' कहा था, जब वह अपना आधिकारिक कर्तव्य निभा रहे थे। अदालत ने 11 फरवरी को दिए अपने फैसले में कहा, निस्संदेह, दिए गए बयान सुनने में ठीक नहीं लगते हैं। लेकिन, इससे सूचना देने वाले की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचती। इसलिए, हमारा मानना है कि अपीलकर्ता को आईपीसी की धारा 298 के तहत आरोपमुक्त किया जाना चाहिए। शिकायतकर्ता, जो एक उर्दू अनुवादक और सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कार्यवाहक क्लर्क है, ने अपीलीय प्राधिकारी के आदेश के बाद आरोपी सिंह को व्यक्तिगत रूप से कुछ जानकारी दी थी। सिंह ने शुरू में दस्तावेज स्वीकार करने में अनिच्छा दिखाई, लेकिन अंततः उन्होंने दस्तावेज स्वीकार कर लिए, लेकिन कथित तौर पर उन्होंने शिकायतकर्ता के धर्म का हवाला देते हुए उसे अपशब्द कहे। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 353 के तहत आरोप को कायम रखने के लिए हमले या बल प्रयोग का कोई सबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस प्रावधान के तहत आरोपी को आरोपमुक्त न करके गलती की है।

खबरें फटाफट

संभल की जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखने का आदेश

संभल। शाही जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष के अधिवक्ता की दलील पर जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखने के आदेश दिए हैं। इसके बाद संभल में जामा मस्जिद के हिंदू पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा ने मस्जिद विवाद को यह कहकर जन्म दे दिया है कि इस्लाम धर्म की धार्मिक पुस्तक कुरान के मुताबिक विवादित ढांचे में नमाज नहीं पढ़ी जा सकती, इसलिए विवादित ढांचे में, उन्हें नमाज नहीं पढ़नी चाहिए। बता दें कि 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर सर्वे हुआ था। इस दौरान जमकर बवाल हुआ था। इस घटना के बाद संभल की जामा मस्जिद देशभर में चर्चा के केंद्र में आ गई। वहीं, मंगलवार को शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई मामले में हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई 10 मार्च को निर्धारित कर दी है। लेकिन इससे पूर्व हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन की दलील पर जामा मस्जिद को विवादित ढांचा लिखने के आदेश दे दिया है। वहीं जिला अदालत ने संभल हिंसा के 13 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। हिंसा मामले में जेल में 3 महिलाओं सहित 79 आरोपी जेल में बंद हैं।

बिहार विधानसभा के बजट सत्र में नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार को कठघरे में खड़ा किया

बिहार में हत्या आज हो रही है और पूर्व की सरकार को दिया जा रहा दोष: तेजस्वी

- सदन में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और तेजस्वी यादव के बीच खूब हुई नोक-झोंक
- तेजस्वी से सम्राट बोले- आपके पिता ने बिहार को लूट लिया

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को उस समय गर्मा-गर्मी का माहौल हो गया जब तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी आमने-सामने हो गए। तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी के पिता शकुनी चौधरी के बारे में कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे के बारे में क्या कहा था, वह बताएं। तेजस्वी यादव के इस सवाल पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी उठ गए और उन्होंने तेजस्वी यादव पर पलटवार किया। सम्राट चौधरी ने कहा कि आपके पिता ने मुख्यमंत्री के बारे में क्या कहा था, यह बताइए। इस बात पर टोका टोकी हुई और गर्मा गर्मी भी बढ़ गई। सदन में इन दोनों नेताओं की बहस को सभी सदस्य देखते रहे।

सम्राट चौधरी ने अपनी सीट पर खड़े होकर तेजस्वी को जवाब दिया तो तेजस्वी ने फिर पलटवार किया। तेजस्वी बोले, पहले बीजेपी को गरियाते थे सम्राट जी। इस पर बीजेपी विधायकों ने सदन में हल्ला किया। बीच में नीतीश के करीबी मंत्री खड़े हुए तेजस्वी को कहा हम आपके साथ भी काम किए हैं। हम

तेजस्वी बोले... खटारा सिस्टम, नकारा मुख्यमंत्री, थका हारा आदमी

तेजस्वी यादव इस बात का जिक्र कर रहे थे कि बिहार में आज हत्या हो रही है और 20 साल पहले की सरकार को दोष दिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि जनता ने 20 साल आपको मौका दिया तो आपने क्या किया। इस पर सवाल पूछते हुए तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार को खटारा सिस्टम, नकारा मुख्यमंत्री, थका हारा आदमी, फिरता है मारा मारा का स्लोगन दिया। इस पर सदन में फिर हो हल्ला हो गया। इस बीच तेजस्वी यादव बोलते रहे और उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले पावरफुल सरकार थी। जिसका नेता पावरफुल था, बिहार के लिए दिल्ली से लड़ कर बिहार का हक ले आता था।

जहां रहते हैं काम करते हैं। इस पर तेजस्वी बोले, विजय चौधरी मलाई खाते हैं। इसी बीच तेजस्वी और सम्राट में तीखी नोंकझोंक फिर शुरू हो गई। तेजस्वी को सम्राट ने कहा आपके पिता ने बिहार को लूट लिया। लालू जी ने मुझे जेल भेजा था। व्यक्तिगत हस्तक्षेप के लिए स्पीकर ने तेजस्वी यादव को टोका। इस बीच तेजप्रताप ने बीजेपी विधायकों को सदन में खड़े होकर चेताया और हल्ला नहीं करने को कहा। राजद के विधायकों ने तेजप्रताप को शांत कराया। दरअसल, तेजस्वी यादव के भाषण के दौरान लगातार ऐसी बातों को उठाते रहे जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार के लिए को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश थी। इसी दौरान सम्राट चौधरी पर उन्होंने तंज किया तो सम्राट चौधरी ने कहा कि आपके पिता ने क्या-क्या नहीं बोला। बिहार को लूट लिया। गरीबों वंचितों को लूट लिया। मुझको जेल भिजवाया। इस पर तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी के बीच तीखे बयानों के तीर चलते रहे। बाद में विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव की दखल से दोनों नेताओं के बीच बहस रुकी।

नीतीश बोले... लालू प्रसाद को सीएम मैंने ही बनाया

सीएम नीतीश ने आरजेडी नेता तेजस्वी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उनके पिता पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को उन्होंने ही बनाए थे। इतना ही नहीं प्रदेश की खराब हालत का जिक्र करते हुए कहा कि पहले बिहार में लोगों के पास कोई सुविधाएं नहीं थी। सीएम नीतीश ने कहा कि पहले बिहार में कुछ था, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बहुत कम थे। लोगों को समय पर इलाज तक नहीं मिल पा रहा था। हमारी सरकार बनने के बाद प्रदेश में काफी काम हुआ। अब 12 हजार मेडिकल कॉलेज और अस्पताल हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि बहुत जल्द इनकी संख्या बढ़कर 14 हजार होने वाली है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा, पहले बिहार में क्या था? आपके (तेजस्वी यादव) पिता को मैंने ही बनाया। आपकी जाति के लोग भी मुझसे पूछ रहे थे कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं, लेकिन मैंने फिर भी उनका समर्थन किया। हमने तो उसी आदमी को बनवा दिया था। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि बाद में जब गड़बड़ कर रहे थे, जो पिछड़ा और अति पिछड़ा को खत्म कर सिर्फ पिछड़ा करना चाहते थे। हमने इसी समय विरोध किया। चार साल के बाद 1994 में हम अलग हो गए थे। सीएम नीतीश ने कहा कि बिहार में हमारी सरकार बनने के बाद प्रदेश की जनता के लिए बहुत काम किया। हमारा विकास सभी को नजर आ रहा है।

वैशाली में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से चार लोगों की मौत

मोना चौक और लालगंज फकुली रोड पर हादसा

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जिसमें एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। दरअसल, मुजफ्फरपुर जिले के लालगंज फकुली रोड स्थित मोड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया था, जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहां से तेज रफ्तार में भाग कर आ रहे ट्रक ने वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के मोना चौक के पास एक महिला समेत तीन लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में एक महिला और एक व्यक्ति की मौत हो गई।बताया जा रहा है कि बेलसर मोना चौक पर हुए हादसे में दिवंगत जमुना राय की पत्नी कृष्णा देवी और बहोरखा निवासी नागेंद्र महतो की मौत हो गई। जबकि करनेजी निवासी शंभू सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल शंभू सिंह का इलाज चल रहा है। जबकि मृतकों के शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर जिले के फकुली ओपी क्षेत्र के पास अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद घटना को अंजाम देकर भाग रहे ट्रक चालक ने वैशाली जिले में बेलसर मोना चौक के पास बाइक सवार नागेंद्र महतो और शंभू सिंह को रौंदते हुए माना गांव स्थित पुलिस टिकट परिसर से पानी लाने गई कृष्णा देवी को भी कुचल दिया। इस हादसे में कृष्णा देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं नागेंद्र महतो की सदर अस्पताल में मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने लालगंज-फकुली-घोरावल-सरैया मुख्य मार्ग को बांस-बल्लों से घेरकर जाम कर दिया।

दो महीने में शिक्षकों को मिलेगी मनचाही पोस्टिंग

केटी न्यूज/पटना

बिहार के शिक्षकों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने घोषणा की है कि अगले दो महीनों में शिक्षकों को उनकी मनचाही पोस्टिंग दी जाएगी। इसके लिए 10 चॉइस देने की सुविधा होगी, जिससे शिक्षक अपनी पसंदीदा जगह का चयन कर सकेंगे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि पोस्टिंग की प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पोस्टिंग कुछ तय मानकों के आधार पर की जाएगी, जिसमें बीमारी, पति-पत्नी की एक ही स्थान पर नियुक्ति और शिक्षक की प्राथमिकता शामिल है। हालांकि, पोस्टिंग का निर्धारण रिक्त पदों (वैकेंसी) की उपलब्धता के आधार पर ही होगा। अगर किसी शिक्षक को मनचाही पोस्टिंग नहीं मिलती है, तो उसके पास डीएम, कमिश्नर या विभागीय स्तर पर बनी कमेटियों में अपील करने का विकल्प रहेगा।

बता दें कि पूरे बिहार के स्कूलों में अब शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति भी ट्रांसफर-पोस्टिंग की तर्ज पर की जाएगी। इसको लेकर राज्य मुख्यालय ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। मुख्यालय ने जिलों के संबंधित शिक्षा पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्ति की शक्तियां दी हैं। यह प्रतिनियुक्ति सिर्फ उन्हीं स्कूलों में की जाएगी, जहां एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है। हालांकि, यह प्रक्रिया सभी श्रेणियों के शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पूरी होने के बाद ही शुरू होगी।

सड़क हादसे में घायलों को इसी माह से मिलेगा डेढ़ लाख तक का फ्री इलाज

एजेंसी/नई दिल्ली

अब रोड एक्सीडेंट में घायलों को इसी महीने यानी मार्च 2025 से ही डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलने लगेगा। यह नियम प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। इस बाबत NHAI नोडल एजेंसी के रुप में अपनी सेवाएं देगा। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया। इस बाबत सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बीते 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए एक जरुरी पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना को देशभर में लॉन्च करने की घोषणा की।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का लिया बदला

ऑस्ट्रेलिया को रौंद शान से फाइनल में पहुंचा भारत

एजेंसी/नई दिल्ली

विराट कोहली की शानदार पारी के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंची है। यह लगातार तीसरी बार है जब भारत सीमित ओवर प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहा है। भारत ने इससे पहले 2023 वनडे विश्व कप, 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी और अब वह चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मैच में भी पहुंचने में सफल रहा है।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था और 49.3 ओवर में 264 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली एक बार फिर चेज मास्टर साबित हुए और उन्होंने 98 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 84 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने 48.1 ओवर में छह विकेट पर 267 रन बनाकर मैच जीता। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और उसने 43 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कोहली ने श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की और भारत को संभाला। श्रेयस हालांकि अर्धशतक लगाने से चूक गए और 62 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस के आउट होने के बावजूद कोहली क्रीज पर डटे रहे और भारत को जीत के करीब लेकर गए। कोहली शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एडम जैम्पा की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। कोहली के आउट होने के बाद केएल राहुल और हार्दिक पांड्या ने मोर्चा संभाला। हार्दिक ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और भारत के जीत के बेहद करीब ले आए। जब टीम को जीत के लिए छह रन बनाने की जरूरत थी, तभी हार्दिक बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में आउट हो गए। हार्दिक ने 24 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक के आउट होने के बाद केएल राहुल ने मैक्सवेल की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत इसके साथ ही लगातार दूसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा है। इससे पहले टीम 2017 में भी चैंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में पहुंचने में सफल रही थी। राहुल 34 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि जडेजा भी दो रन बनाकर नाबाद रहे।

पटना में रसोइया बहनों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस ने धरना स्थल का मेन गेट किया बंद

- प्रदर्शनकारी बिहार विधानसभा तक मार्च निकालने पर अड़े हुए थे
- 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद रसोइयों को बिना किसी पेंशन के नौकरी से निकाल दिया जाता है

केटी न्यूज/पटना

बिहार की एमडीएम (मिड-डे मील) रसोइया बहनों ने सरकार के खिलाफ एक बार फिर अपना आक्रोश जताते हुए पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में रसोइया बहनों और भाइयों ने अपने मानदेय में बढ़ोतरी और सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन तेज कर दिया। प्रदर्शनकारी बिहार विधानसभा तक मार्च निकालने पर अड़े हुए थे, लेकिन पुलिस ने गर्दनीबाग धरना स्थल का मुख्य द्वार बंद कर दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

रसोइया बहनों का गुस्सा फूटा

रसोइया बहनों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री पोषण योजना (पीएम पोषण) के तहत बिहार के सरकारी स्कूलों में काम करती हैं, लेकिन सरकार उनके साथ उपेक्षा और भेदभाव कर रही है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि करीब ढाई लाख एमडीएम रसोइया न्यूनतम मजदूरी से भी कम वेतन पर काम करने को मजबूर हैं, जबकि वे विद्यालय खुलने से लेकर बंद होने तक पूरी ईमानदारी से अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इस साल के केंद्रीय बजट में भी रसोइयों के वेतन में इजाफे को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इसके अलावा बिहार की डबल इंजन सरकार ने भी 2020 के बाद से मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की है। सरकार को इस बारे में कई बार पत्राचार किया गया। परंतु कोई सुनने वाला नहीं है।

दूसरे राज्यों में बढ़ा वेतन, बिहार में अनदेखी जारी : रसोइया बहनों ने आरोप लगाया कि हरियाणा, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और झारखंड जैसे राज्यों ने अपने रसोइयों के वेतन में बढ़ोतरी की है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया है। लेकिन बिहार में अब तक न वेतन बढ़ा और न ही किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा दी गई। उन्होंने बताया कि 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद रसोइया बहनों को बिना किसी पेंशन या रिटायरमेंट पैकेज के नौकरी से निकाल दिया जाता है। यहां तक कि उन्हें भविष्य निधि, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व अवकाश और विशेष अवकाश जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं दी जातीं।

काम का बोझ बढ़ा, लेकिन सुविधाएं शून्य रहीं

रसोइयों का कहना है कि सरकार रोज नए-नए फरमान जारी कर उनके काम का बोझ बढ़ाती जा रही है। इसके बावजूद उनके अधिकारों को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। यही कारण है कि वे धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर हुईं और बिहार विधानसभा तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए मार्च निकालने की मांग कर रही हैं।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव: गर्दनीबाग धरना स्थल पर हालात तब तनावपूर्ण हो गए, जब पुलिस ने विधानसभा की ओर बढ़ने से रोकने के लिए मेन गेट बंद कर दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे और पानी की बोतलें फेंकने लगे। मौके पर जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटे रहे, लेकिन रसोइया बहनें अपनी मांगों पर अड़ी रहीं और विधानसभा तक जाने की जिद करती रहीं।

वेतन बढ़ाओ या बड़ा आंदोलन होगा: रसोइया का कहना है कि अगर सरकार उनकी मांगों को जल्द से जल्द नहीं मानती, तो वे आगे और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मानदेय में बढ़ोतरी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की गारंटी नहीं दी गई, तो वे प्रदेशव्यापी हड़ताल करेंगी। फिलहाल प्रशासन स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन प्रदर्शनकारी अपने आंदोलन को और तेज करने की तैयारी में हैं।

होमगार्ड जवानों ने गर्दनीबाग धरना स्थल पर किया जोरदार प्रदर्शन

समान काम के बदले समान वेतन की मांग पर अड़े होमगार्ड जवान

- होमगार्ड कर्मियों का कहना है कि वे दिन-रात पुलिसकर्मियों के साथ ड्यूटी करते हैं, लेकिन उन्हें उसी अनुपात में वेतन और सुविधाएं नहीं मिलतीं

केटी न्यूज/पटना

पटना में गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) के जवानों ने अपने हक और अधिकारों के लिए गर्दनीबाग धरना स्थल पर जोरदार प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में पटना पहुंचे होमगार्ड कर्मियों ने समान काम के बदले समान वेतन और अन्य सुविधाओं की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिसकर्मियों की तरह काम करने के बावजूद उन्हें समान वेतन और सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं।

कोर्ट का फैसला, फिर भी सरकार की अनदेखी : प्रदर्शनकारियों में शामिल होमगार्ड कर्मी अरुण कुमार ठाकुर ने बताया कि सरकार उनकी 21 सूत्री मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट का फैसला भी उनके पक्ष में आया है, जिसमें होमगार्ड जवानों को 774 रुपये प्रति दिन की दर से भुगतान करने की बात कही गई थी। अगर इस दर से भुगतान किया जाए तो होमगार्ड कर्मियों को हर महीने करीब 33,000 रुपये वेतन मिलना चाहिए। लेकिन वर्तमान में उन्हें इससे बहुत कम मिल रहा है और सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। होमगार्ड कर्मियों का कहना है कि वे दिन-रात पुलिसकर्मियों के साथ ड्यूटी करते हैं, लेकिन उन्हें उसी अनुपात में वेतन और सुविधाएं नहीं मिलतीं।

न छुट्टी की सुविधा, न बीमार पड़ने पर वेतन की गारंटी: प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार होमगार्ड जवानों को किसी भी प्रकार की छुट्टी का लाभ नहीं देती। अगर वे बीमार पड़ जाएं और ड्यूटी पर न जा सकें। तो उनकी सैलरी काट ली जाती है। होमगार्ड कर्मी नंद किशोर ठाकुर ने बताया कि कम वेतन के कारण उनका परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। मजबूरन बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाना पड़ता है और कई बार घर खर्च के लिए कर्ज लेना पड़ता है। सदस्यों ने कहा कि लंबे समय से इसके लिए वह लोग संघर्ष कर रहे है। परंतु उनलोगों की बातों को नहीं सुना जा रहा है।

ड्यूटी न मिलने पर आर्थिक संकट

होमगार्ड कर्मियों ने यह भी बताया कि उनकी ड्यूटी रोस्टर सिस्टम के आधार पर लगती है। अगर किसी कर्मी का नाम रोस्टर से हट जाता है तो उसे उस दिन की ड्यूटी नहीं मिलती और सैलरी भी काट ली जाती है। कई बार तो 10 दिनों तक ड्यूटी नहीं मिलती, जिससे आर्थिक तंगी बढ़ जाती है। गृह रक्षा वाहिनी के जवान बिहार के पुलिस थानों और अन्य सरकारी विभागों में ड्यूटी करते हैं। हालांकि अपने हक की लड़ाई के लिए 50 प्रतिशत जवान प्रदर्शन में शामिल हुए हैं, जबकि 50 प्रतिशत जवान अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया है कि अगर उनकी मांगों पर सरकार जल्द ध्यान नहीं देती, तो वे आगे और उग्र आंदोलन करेंगे। फिलहाल प्रशासन प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन होमगार्ड जवान अपनी मांगों को लेकर अडिग हैं।

ट्रेनिंग पर जाएंगे बिहार के पांच आईपीएस अधिकारी

पटना। बिहार पुलिस सेवा के पांच आईपीएस अधिकारी ट्रेनिंग पर जाएंगे। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इसको लेकर आदेश जारी कर दिया है। सभी पांच आईपीएस अधिकारियों की 17 मार्च से 11 अप्रैल तक ट्रेनिंग होगी। इन अधिकारियों की गैरमौजूदगी में दूसरे अधिकारियों को प्रभार सौंपा गया है। गृह विभाग की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि भारतीय पुलिस सेवा के पदाधिकारियों के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में विशेष ट्रेनिंग में भाग लेंगे। मनोनीत पदाधिकारियों के प्रशिक्षण अवधि में उनके प्रतिस्थानी की व्यवस्था रहेगी। जब तक वह लोग वापस नहीं आयेंगे। तब तक प्रतिस्थानी अधिकारी ड्यूटी करते रहेंगे।

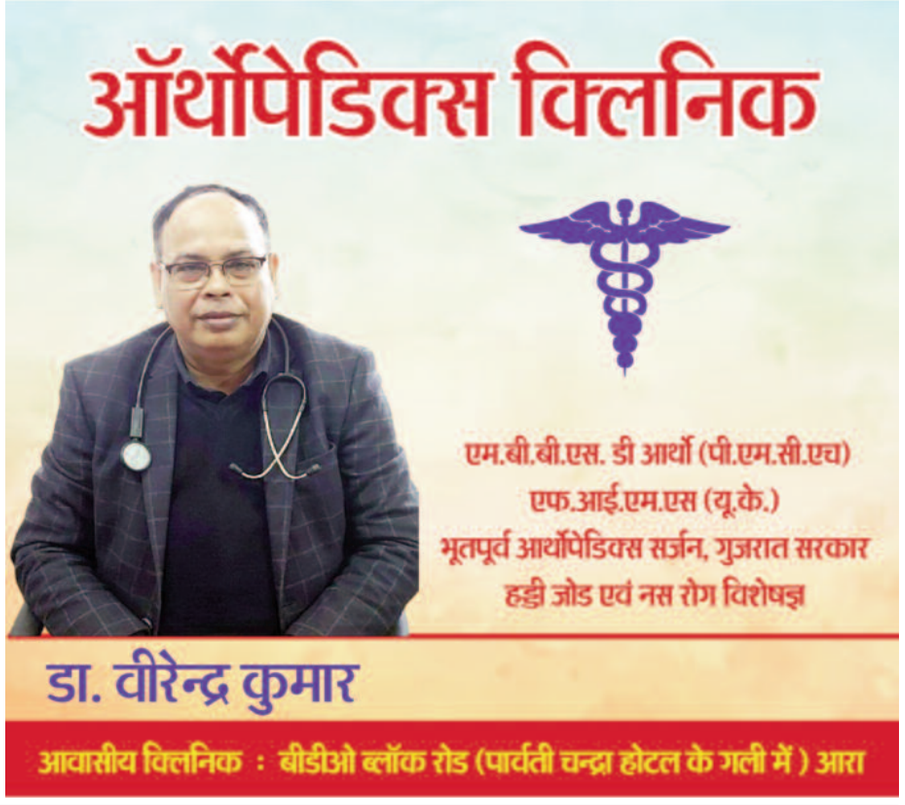

फरार संजीव मुखिया की मुश्किलें बढ़ीं, ईओयू ने कसा शिकंजा

बक्सर। बिहार में पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक का विवाद एक बार फिर चर्चा में है। आर्थिक अपराध इकाई ने फरार आरोपी संजीव कुमार के विरुद्ध फिर कार्रवाई की है। पटना स्थित ईओयू की विशेष टीम ने नगरनौसा थाना क्षेत्र के शाहपुर बलबा गांव में संजीव कुमार के निवास स्थान पर कोर्ट से प्राप्त इश्तिहार को चिपकाया है। यह कार्रवाई ईओयू थाना पटना में दर्ज मामला संख्या 16/23 से संबंधित है, जिसने पूरे राज्य में एक बड़ी सनसनी मचा दी है।नालंदा जिले के नूरसराय वानिकी कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत संजीव कुमार पुलिस भर्ती परीक्षा घोटाले का मुख्य संचालक माना जा रहा है। उनपर अपने बेटे डॉ. शिव के साथ मिलकर परीक्षा प्रणाली में व्यापक स्तर पर धांधली करने का आरोप है।

दिलीप जायसवाल बने बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने किया ऐलान

केटी न्यूज/पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पद से इस्तीफा देने वाले भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया है। हालांकि छह महीना पहले वह इस पद पर विराजमान हो चुके थे। लेकिन, आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं हुई थी। अब संवैधानिक तरीके से उनके नाम की एलान कर दिया गया है। दरअसल, दिलीप जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया से ही शुरू हुई थी। उन्होंने पार्टी के चुनाव पदाधिकारी सह प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा के सामने प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपना पर्चा दाखिल किया था। वहीं दोनों डिप्टी सीएम, स्वास्थ्य मंत्री, और एमएलसी संजय मयूख दिलीप जायसवाल के प्रस्तावक बने। मंगलवार को इनके नाम पर भाजपा आलाकमान ने फिर से मुहर लगा दिया। अब दिलीप जायसवाल 2025-27 तक अध्यक्ष रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एलान कर दिया : पटना के बापू सभागार में प्रभारी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एलान कर दिया है। उन्होंने बिहार है तैयार फिर से एनडीए सरकार का नया नारा दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा समेत पार्टी के सभी वरीय नेता, विधायक और मंत्री शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता फिर से एनडीए सरकार को बहुमत से जिताने जा रही है। 2025 में हम 200 प्लस सीटों के साथ एनडीए सरकार बनाएंगे। यह दिलीप जायसवाल की देखरेख में संभव हो पायेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने भरोसा किया है।

सूबे की सरकार ने अपने बजट 2025-2026 में इसकी घोषणा की है

वाल्मीकि नगर में जल्द बनेगा एयरपोर्ट

केटी न्यूज/वाल्मीकिनगर

बिहार के वाल्मीकि नगर में एयरपोर्ट बनने जा रहा है। सरकार ने 2025-2026 के बजट में इसके लिए पैसे रखे हैं। सांसद सुनील कुमार ने इसके लिए काफी कोशिश की थी। उन्होंने केंद्र सरकार से भी बात की थी। इस एयरपोर्ट से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सांसद सुनील कुमार की मेहनत रंग लायी। वाल्मीकि नगर में एयरपोर्ट बनाने का उनका सपना अब साकार होगा। बिहार सरकार ने अपने बजट 2025-2026 में इसकी घोषणा की है। यह एयरपोर्ट ब्राउन फील्ड एयरपोर्ट होगा। यानी पहले से मौजूद हवाई पट्टी को बड़ा और बेहतर बनाया जाएगा। सुनील कुमार ने इसके लिए केंद्र सरकार से भी संपर्क किया था। 6 फरवरी 2025 को उन्होंने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की थी। वे राम मोहन सिंधिया के पड़ोसी भी हैं। इसलिए कई बार अनौपचारिक रूप से भी इस बारे में बात हुई थी। इससे पहले, स्पीलिट एयर कंपनी के प्रस्ताव के बाद 29 जुलाई को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की संयुक्त सचिव रुबीना अली से भी मुलाकात की थी। संसद में भी इस मुद्दे को उठाया गया था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी पत्र लिखा गया था।

वाल्मीकि नगर से घरेलू उड़ानें शुरू करने का रास्ता साफ : केंद्र सरकार ने भी अपने 2025-2026 के बजट में वाल्मीकि नगर एयरपोर्ट को ब्राउन फील्ड एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा था। अब राज्य सरकार ने भी अपने बजट में इसके लिए पैसे रखे हैं। इससे वाल्मीकि नगर से घरेलू उड़ानें शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। सुनील कुमार ने इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद किया है।इस एयरपोर्ट से वाल्मीकि नगर और आसपास के इलाकों के विकास को तेजी मिलेगी। पर्यटन को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। वाल्मीकि नगर एक महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यहां वाल्मीकि आश्रम और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख आकर्षण हैं। एयरपोर्ट बनने से पर्यटकों को आने-जाने में आसानी होगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इस एयरपोर्ट के निर्माण से पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी।सुनील कुमार ने कहा कि इस एयरपोर्ट के निर्माण से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। नए व्यवसाय शुरू होंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इससे लोगों का जीवन स्तर भी सुधरेगा।

एक से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि से मुक्ति ही करेगा उनका एनीमिया से बचाव: जिलाधिकारी

- डीएम ने बच्चों को अल्बेंडाजोल खिलाकर किया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के एक से 19 साल तक के बच्चों को कृमि से बचाने के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। इसका विधिवत शुभारंभ जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने जिला मुख्यालय स्थित बुनियादी विद्यालय में स्कूली बच्चों को अल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर की। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनमें कृमि को खत्म करना जरूरी है। ये कृमि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को पूरी तरह से प्रभावित करते हैं। कई मामलों में बच्चों में एनीमिया कृमि के कारण ही देखी गई है। इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि कृमि से मुक्ति ही बच्चों का एनीमिया से बचाव करेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिले के सभी विद्यालयों एवं आँगनबाड़ी केन्द्रों पर एक साल से अधिक एवं 19 साल आयु वर्ग तक के बच्चे एवं किशोर व किशोरियों को कृमि से मुक्ति के लिए अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इसके लिए जिले के 1262 सरकारी विद्यालय, 293 प्राईवेट विद्यालय एवं सभी आँगनबाड़ी केन्द्रों पर 10,40,400 बच्चों व किशोर/किशोरियों को लक्षित किया गया है।

एक से दो साल तक के बच्चों को आधी गोली पीसकर व पानी में घोलकर पिलानी है : जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्देश्य स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों के मंच के माध्यम से 1-19 वर्ष की आयु के सभी पूर्वस्कूली और स्कूल आयु वर्ग के बच्चों को उनके समग्र स्वास्थ्य, पोषण संबंधी स्थिति, शिक्षा तक पहुंच और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कृमि मुक्त करना है। उन्होंने बताया कि एक से दो साल तक के बच्चों को आधी गोली पीसकर व पानी में घोलकर पिलाना है। वहीं, दो से 19 साल के बच्चों को अल्बेंडाजोल की एक गोली चबाकर खाने के बाद पानी पीना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन गोलियों को किसी भी बच्चे को खाली पेट नहीं खिलानी है। उन्होंने बताया कि कई मामलों में दवाओं का सेवन करने के बाद बच्चों को उल्टी, मितली या चक्कर जैसे लक्षण दिखेंगे। जो उनमें कृमि की मौजूदगी के कारण होती है। इसलिए घबराने की बात नहीं है।

मौके पर डीईओ विष्णुकांत राय, एसएसए डीपीओ मो. शरीफ, डीसीएम हिमांशु सिंह, बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह, जिला लेखा प्रबन्धक राजेश सिंह, डाटा ऑपरेटर शशि कुमार व चंदन कुमार, एविडेंस एक्शल भीम कुमार अलावा बुनियादी विद्यालय की प्राचार्य ज्योत्सना कुमार व स्कूली छात्राएं उपस्थित रहे।

सात मार्च को चलेगा मॉपअप राउंड

सीएस डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने बताया कि कृमि संक्रमण से अनेक बीमारियों में प्रमुख एनिमिया, मानसिक एवं शारीरिक बिकास में बाधक है। दस्त, पेट में दर्द, कमजोरी, उल्टी एवं भूख नहीं लगना इसके प्रमुख लक्षण है। उन्होंने बताया कि कृमि रोग लगने से बच्चों के जीवन पर कई बड़े हानिकारक प्रभाव भी पड़ते हैं। कृमि रोग लगने से बच्चों के शरीर में थकावट ज्यादा रहती है और पढ़ाई में उनका मन भी नहीं लग पाता है। इसलिए इस रोग से बचने के लिए बच्चों को कभी खुले में शौच नहीं जाने दें, कुछ भी खाने से पहले हाथ धोएं, खाना ढका हुआ ही खाएं और साफ पानी पिएं।

खबरें फटाफट

थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस अधिकारी सस्पेंड

बक्सर। एसपी शुभम आर्य ने कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में जिले के एक थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। जिन पुलिस पदाधिकारियों पर निलंबन की गाज गिरी है, उनमें तिलक राय के हाता थानाध्यक्ष लाल बाबू सिंह, यातायात थाने में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार तथा सहायक पुलिस अवर निरीक्षक नरेश कुमार चौधरी शामिल है। हालांकि एसपी ने कारणों का खुलासा नहीं किया।

स्वच्छता अभियान यूजर चार्ज पर जोर

केसठ। सरकार की महत्वकांक्षी लोहिया स्वच्छता अभियान के सफल संचालन को ले बीडीओ के नेतृत्व में अभियान से जुड़े कर्मियो के साथ बैठक आहूत की गई। जिसमे कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया। ज्ञात हो की सफाई कर्मियों को मिलने वाले राशि का आवंटन नहीं होने व नव माह से सफाई कर्मियो मानदेय नहीं मिलने से नाराज कर्मियों ने सफाई कार्य को बंद कर दिया था। जिसके बाद बीडीओ ने बैठक कर सफाई कर्मियों को नियमित सफाई करने ले निर्देश दिया। बैठक में डीआरपी त्रिभुवन सिंह, स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय बारी, अयोध्या पासवान, प्रदीप कुमार व अन्य उपस्थित रहे।

आपस में भिड़े दो पक्ष, प्राथमिकी दर्ज

डुमरांव। थाना क्षेत्र के बनहेजी डेरा गांव में विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गये। मारपीट में दोनों पक्षों के कई जख्मी लोगों का इलाज कराया गया। बताया जाता है कि एक पक्ष के बबन चौधरी ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया कि वह खेत पर फसल काट रहा था। इसी दरम्यान छह नामजद आरोपी लाठी-डंडे के साथ वहां आ धमके और मारपीट करने लगे। जिससे वह चोटिल भी हो गया। साथ ही वहां खड़े उसके दो ट्रकों के शीशे को भी तोड़ दिया। वहीं दूसरे पक्ष के अमरेंद्र कुमार यादव की पत्नी पूनम देवी ने पुलिस को बताया है कि वह अपने घर पर झाड़ू-पोछा लगा रही थी। इसी दौरान दो दर्जन की संख्या में नामजद आरोपी आ पहुंचे तथा उसके साथ मारपीट करने लगे।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सस्पेंड की संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल की मान्यता

स्कूल प्रबंधन बना रहा बच्चियों का अंग्रेजी मीडियम में नामांकन का दबाव, बढ़ा रोष

- स्कूल प्रबंधन नामांकन नहीं कराने पर बच्चियों का टीसी लेने का बना रहा दबाव
- बोले बीईओ... मामले की जांच कर की जाएगी कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुराना भोजपुर मार्ग पर स्थित संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल में अध्ययनरत बच्चियों के अभिभावकों ने मंगलवार को विद्यालय के मुख्य गेट पर हंगामा कर दिया। इस दौरान देर तक अफरा तफरी का माहौल बना हुआ था। अभिभावकों के आक्रोश का मुख्य वजह विहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इस स्कूल के बोर्ड की मान्यता को सस्पेड किए जाने के बाद प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर बच्चियों को हिन्दी के बदले अंग्रेजी मीडियम में नामांकन कराने की बात कहने से उपजा था।

अभिभावक समरसेन सिंह, गुप्तेश्वर प्रसाद आदि ने बताया कि उनकी बच्चियां इस विद्यालय में पढ़ती है। मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन ने वर्ग छह, सात व आठ में पढ़ने वाली बच्चियों के अभिभावक की एक गोष्ठी बुला यह जानकारी दी कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने उनके स्कूल की मान्यता को सस्पेंड कर दिया है, जिस कारण वे हिन्दी मीडियम से वर्ग 9 में नामांकन नहीं ले सकते है। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों से कहा कि आप अपनी बच्चियों का नामांकन इसी विद्यालय में अंग्रेजी मीडियम में करा दें, लेकिन अभिभावक इस पर तैयार नहीं हो रहे थे। अभिभावकों का कहना था कि उनकी बच्चियां प्रारंभ से अबतक हिन्दी मीडियम से ही पढ़ाई की है तथा अचानक हाई स्कूल की पढ़ाई अंग्रेजी मीडियम से होने से उनपर अतिरिक्त दबाव बनेगा तथा वे पढ़ाई पूरी नहीं कर पाएंगी। जबकि विद्यालय प्रबंधन अपनी बातों पर अड़ा रहा तथा अंत में यह भी कहा कि यदि अंग्रेजी मीडियम में नामांकन नहीं कराना है तो आप अपनी बच्चियों का टीसी लेकर किसी दूसरे विद्यालय में नाम लिखवा सकते है। इसके बाद ही अभिभावकों में आक्रोश पनपा तथा अभिभावक आक्रोशित हो गए।

बोर्ड से स्कूल की मान्यता समाप्त होने के बाद अभिभावकों का भरोसा भी टूटा

विद्यालय प्रबंधन के फरमान के बाद अभिभावकों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया था। अभिभावक इस बात से भी नाराज थे कि जब पिछले वर्ष से ही मान्यता समाप्त हो गई थी तो प्रबंधन ने इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं दी। जबकि इस विद्यालय में पुराना भोजपुर, डुमरांव, महाराजा पथ, नवाडेरा, गोपाल डेरा, मझवारी, नया भोजपुर समेत दूर-दराज के इलाके के हजारों बच्चें पढ़ते है। यह विद्यालय काफी प्राचीन है, जिस कारण अभिभावकों का भरोसा भी इस विद्यालय के प्रति बना रहता है, लेकिन बोर्ड से मान्यता समाप्त होने के बाद अभिभावकों का भरोसा भी टूटा है। प्रदर्शन करने वालों में रोहित सिंह, गुप्तेश्वर कुमार, समरसेन सिंह, शुभम शर्मा, धीरेन्द्र कुमार सिंह, पुतुल वर्मा, चंदन कुमार, चुनमुन चौधरी, हरिकिशुन यादव, प्रदीप राम, राजेश कुमार पाल, धीरज सिंह, चंदन कुमार विश्वकर्मा, विनय सिंह, प्रभुनाथ चौधरी, हरिकिशुन यादव, विमल प्रकाश ओझा, राजेश कुमार पाल समेत कई अन्य अभिभावक शामिल थे।

इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रबंधन ने मीडिया से बात नहीं की। वहीं, डुमरांव के प्रभारी बीईओ सह डीपीओ रजनीश उपाध्याय ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर प्रबंधन पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

> “ शिक्षा विभाग ने संत जोसफ हाई स्कूल की मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा पिछले वर्ष ही भेज दी थी, जिसके बाद इस स्कूल की मान्यता सस्पेंड हो गई है। फिलहाल वहां, हिन्दी मीडियम से हाई स्कूल में नामांकन नहीं लिया जा सकता है।
>
> – मो. शारिक अशरफ, डीपीओ, समग्र शिक्षा, बक्सर

एक नजर

जिलाधिकरी ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अधिकारियों को दिलाई शपथ

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में शपथ दिलाई गई। इस दौरान जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर भी कार्यालय में शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा हमारे समाज की सबसे बड़ी प्राथमिक और महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण नागरिकों का जीवन खतरे में है। इसे ध्यान में रखते हुए सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करते हेतु एक मजबूत और प्रभावी उपाय के रूप में सड़क सुरक्षा शपथ अनिवार्य रूप से लागू करने की आवश्यकता है। यह शपथ न केवल सड़क पर सुरक्षा को सुनिश्चित करने का एक कदम है, बल्कि यह हमारे सभी पदाधिकारियो, कर्मियों और सहयोगियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में भी सहायक साबित होगा। बताया गया कि इस संबंध में प्रति वर्ष 04 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस और 22 मार्च को बिहार दिवस के अवसर पर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का शपथ दिलाने हेतु निर्णय लिया गया है।

नावानगर में स्कूली बच्चों को दिलाई गई शपथ

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के लगभग सभी स्कूलों में मंगलवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत छात्रों को शपथ दिलाया गया। विद्यालय में चेतना सत्र के दौरान शपथ दिलाने के बाद उसकी महत्व पर टिप्स लेकर छात्रों को जागरूक किया गया। जिसमें सड़क पर सुरक्षित यात्रा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने, वगैर सुरक्षा के वाहन नहीं चलाने, हमेशा सड़क पर अपने से बाए साइड चलने समेत अन्य सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। सड़क सुरक्षा सप्ताह का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें सड़क पर सुरक्षित यात्रा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही उन्हें सड़क पर सुरक्षित यात्रा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

108 कुंडीय गायत्री शक्ति संवर्द्धन गायत्री महायज्ञ सह विराट पुस्तक मेला शोभायात्रा के साथ शुरू

- रामरेखा घाट पर मंत्रोच्चार के बीच कलश में भरा गया गंगाजल

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के आईटीआई परिसर में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय गायत्री शक्ति संवर्द्धन गायत्री महायज्ञ सह विराट पुस्तक मेला कलश शोभायात्रा के साथ मंगलवार को शुरू हुआ। कलश यात्रा आईटीआई परिसर से मंगलवार को निकाली गई।

नगर भ्रमण एवं जलभरी के बाद संध्या समय में प्रवचन के साथ विधिवत कार्यक्रम शुरू हो गया। चार दिवसीय यज्ञ के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन होगा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के आईटीआई परिसर से कलश शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा सुबह निकलकर चरित्रवन के रास्ते वीर कुंवर सिंह चौक होते हुए रामरेखाघाट पहुंचा। जहां मंत्रोच्चार के बीच गंगा का जल कलश में लेने के बाद श्रद्धालु पीपी रोड होते हुए मुनीम चौक पहुंचे। जहां से यमुना चौक होते हुए मेन रोड में प्रवेश किया। इसके बाद सत्यदेव गंज होते हुए वीर कुंवर सिंह चौक पर पहुंचा। जहां से स्टेशन रोड, ज्योति प्रकाश चौक के बाद जेल पईन रोड होते हुए आईटीआई परिसर पहुंच संपन्न हो गया। इसके बाद संध्या चार बजे से शांति कुंज से पहुंची वरिष्ट टोली के माध्यम से कथा प्रवचन का दौर शुरू हो गया। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न देवी देवताओं के मुद्रा में शामिल रहे। वहीं महिला एवं पुरूष श्रद्धालुओं ने माथे पर कलश व पुस्तक लेकर भगवान का जयघोष करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे. वहीं जयघोष के साथ पूरे नगर में भ्रमण किया गया।

पौध संरक्षण कार्यालय द्वारा ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक व कीटनाशी का किया गया छिड़काव

उर्वरक व दवाओं के छिड़काव का दिया गया डेमो

- आत्मा बक्सर द्वारा किसानों को कराया गया परिभ्रमण

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के इटाढ़ी प्रखंड स्थित बीज गुणन प्रक्षेत्र, शाहीपुर एवं ब्रह्मपुर प्रखंड के बीज गुणन प्रक्षेत्र, ब्रह्मपुर में मंगलवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण के तत्वावधान किसानों के बीच ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक एवं कीटनाशी दवाओं के छिड़काव की जानकारी प्रदान करने के लिए लाईव प्रदर्शन में परिभ्रमण की व्यवस्था की गई।

ड्रोन के माध्यम से लाईव डेमो का मुख्य उदेश्य अधिक से अधिक किसानों के बीच तकनीकी ज्ञान का प्रसार करना है। उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने बताया कि बीज गुणन प्रक्षेत्र, शाहीपुर एवं ब्रह्मपुर प्रखंड स्थित बीज गुणन प्रक्षेत्र, ब्रह्मपुर में पचास-पचास किसानों को ड्रोन के माध्यम से दवाओं के छिड़काव की जानकारी लाईव डेमो के माध्यम से दी गई।

आसानी से किया जा सकता है दवा का छिड़काव: कृषक अपने खेतों में दवा का छिड़काव करने के लिए पीठ पर स्प्रेयर मशीन को टांग लेते हैं, लेकिन इससे न केवल अधिक समय लगता है बल्कि मेहनत भी काफी करनी पड़ती है। इसलिए किसानों के लिए ड्रोन तैयार किया गया है, जिससे कम समय और कम लागत में आसानी से दवा का छिड़काव किया जा सकता है।

ड्रोन से रसायनों के छिड़काव पर देगा अनुदान : सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण बेबी कुमारी ने बताया कि इच्छुक कृषक ड्रोन के माध्यम से पचास प्रतिशत अनुदान पर रसायनों का छिड़काव कर सकते हैं। अनुदान प्राप्त करने के लिए विभाग के पोर्टल पर लॉगीन करने के बाद वेबसाईट के मुख्य पेज पर ऑनलाईन सेवाएं मेनू पर क्लीक करना होगा तत्पश्चात पौधा संरक्षण योजनाओं के लिए आवेदन-पत्र का लिंक मिलेगा, इस लिंक पर क्लीक करने पर योजना मेनू का लिंक अवलोकित होगा। ड्रोन से छिड़काव लींक पर क्लीक करने पर इच्छुक कृषक इस योजना की सभी जानकारी हासिल कर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। एक कृषक अधिक दस एकड़ खेत में पचास प्रतिशत अनुदान पर ड्रोन के माध्यम से रसायन का छिड़काव करा सकते हैं। मौके पर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर किशोर, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर कुमार, बीएओ, बीटीएम एवं सैकड़ों की संख्या में प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे।

मानसिक तनाव: डुमरांव में प्लाई व्यवसायी ने फांसी लगा की आत्महत्या

♦ जवाहर मंदिर मोहल्ले की है घटना, पुलिस को मिला सुसाइड नोट

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के जवाहिर मंदिर की गली निवासी व चर्चित प्लाई व्यवसायी 55 वर्षीय सुनील कुमार चौरसिया ने मंगलवार को फांसी लगा अपनी इहलीला समाप्त कर ली है। हालांकि, उसने कब फांसी लगाई है इसकी जानकारी किसी को नहीं मिल सकी है। दोपहर बाद बेटी सुमेधा श्री के पटना से आने के बाद उसके फंदे से लटकने की जानकारी मिली। बेटी ने ही आस पास के लोगों को इस घटना की जानकारी दी, इसके बाद आस पास के लोगों ने पुलिस को खबर की। जानकारी मिलते ही पुलिस तथा एफएसएल टीम मौके पर पहुंची व शव को कब्जे में ले जांच पड़ताल में जुट गई। वहीं, एफएसएल टीम ने मौके से कई साक्ष्य इकट्ठा किए है।

जानकारी के अनुसार व्यवसायी के पत्नी की मौत कोरोना काल में कैंसर की बीमारी से हो गई थी तथा उसे एक पुत्र व एक पुत्री थी। दोनों पटना में रहकर पढ़ाई करते हैं। मोहल्लेवासियों का कहना था कि पत्नी की मौत के बाद से ही वह डिप्रेशन में रहता था तथा पत्नी के इलाज व व्यवसाय में लगातार घाटा के बाद कर्ज में भी डूबा था। हालांकि, मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। लोगों का कहना था कि डिप्रेशन के कारण ही उसने ऐसा कदम उठाया है।

पुलिस को मिला मृतक का सुसाइड नोट : बताया जा रहा है कि पुलिस को मौके से मृतक का सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें लेन देन के ब्यौरे के साथ कई बातें भी बताई है जिसके कारण उसने यह फैसला लिया।

दो बार कर चुका था आत्महत्या का प्रयास : मोहल्लेवासियों का कहना है कि वह पूर्व में भी दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। एक बार उसने हाथ की नस काट ली थी जबकि दूसरी बार ब्लेड से गला काट लिया था, लेकिन दोनों बार उसकी जान बच गई थी, लेकिन इस बार अपने कमरे में गमछे से फंदा बना वह फांसी पर झूल गया था, जिससे उसकी मौत हो गई है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि व्यवसायी के मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया गया। कागजी कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम जांच कर रही है। परिजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। हालांकि, अभी उसका पुत्र सुजय प्रकाश पटना से नहीं आया है। पुत्र के आने के बाद ही इस मामले में

खबरें फटाफट

भाजपाइयों ने की हिमानी की हत्या की निंदा

केसठ। हरियाणा में हुई हिमानी हत्याकांड को लेकर हर जगह निंदा हो रही है। वही प्रखंड के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने भी मंगलवार को इस घटना की निंदा और भर्त्सना की। वही भाजपा के वरीय नेता नरेंद्र प्रताप पांडेय ने कहा कि हिमानी की मां और पुरा परिवार कांग्रेस के नेताओ व कार्यकताओं को दोषी ठहरा रहा है। वही हरियाणा की एनडीए सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।उन्होंने बताया कि अपराधियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ की टीमें बनाई है। वही त्वरित कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने दो आरोपियों को दिल्ली में पकड़ा है। निंदा करने वालों में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष चंद्रकांत तिवारी, अमर सिंह,मंतोष तुरहा, सत्येंद्र पासवान, रजनीश दुबे, नंदजी यादव समेत अन्य शामिल रहे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने अभिप्रमाणित प्रमाण पत्र को भी दे दी स्वीकृति

डुमरांव। सरकार ने मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना को बढ़ावा देने के लिये दो लाख रुपए देने घोषणा की थी। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 5 मार्च 2025 रखा था। उस फार्म को भर कर जमा करने वालों से अधिकारियों हस्ताक्षर से बने प्रमाण पत्र को ही तरजीह दी जा रही थी। प्रमाण पत्र बनाने से पहले राजस्व कर्मचारी मजिस्ट्रेट एवं नोटरी का शपथ पत्र मांग कर लाभुकों को परेशान करते हैं। ऐसें में प्रमाण पत्र बनाने में 2 सौ से लेकर 5 सौ रुपए तक लाभुकों को खर्च करना पड़ जाता है, वह भी समय से नहीं मिल पाता। इस परेशानी से बचाने के लिये सरकार ने वर्ष 2011 में ही अपने पत्रांक संख्या-673 दिनांक 8 मार्च 2011 के माध्यम से जिले के डीएम को यह आदेश दिया था कि लाभुक स्वहस्ताक्षरित शपथ पत्र के अधार पर ही प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। फिर लाभुकों को परेशान क्यों किया जा रहा है। इसको लेकर जदयू के निवर्तमान विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य सह जिला बीस सूत्री सदस्य नथुनी खरवार ने मुख्यमंत्री को आवेदन मेल कर उने आग्रह किया है कि अंतिम डेट का एक सप्ताह बढ़ा दिया जाए।

डुमरांव को जाममुक्त बनाने में पूरी तरह फेल है डुमरांव प्रशासन, व्यवसाय ठप

साफाखाना रोड जाम होने से घंटों फंसी रहीं स्कूली बसें, परेशान होते रहे बच्चे

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के साफाखाना रोड हर दिन जाम की चपेट में रहता है। इस रोड में फलों का गोदाम से लेकर कपड़ा और पारचुनी सामानों के होलसेल की दुकानें हैं। जिस कारण इस पथ को होलसेल मंडी के रूप में भी जाना जाता है। इस रोड में फुटपाथी दुकानदारों के अलावे स्थायी दुकानदारों ने अपने दुकान को रोड तक बढ़ा दिया है, जिससे सड़क सकरा हो गया है। हर दिन सुबह में बच्चों को लाने के लिये स्कूल बसें और संध्या में घर पहुंचाने के लिये आना-जाना लगा रहता है। मंगलवार को जाम लग जाने से स्कूल बसें घंटों फंसी रही और उसपे सवार बच्चे बिलबिलाते रहे। इस दौरान उनके अभिभावक भी हलकान हुए। जबकि नगर परिषद प्रशासन से लेकर स्थानीय प्रशासन बेफिक्र बना रहा।

मालूम हो कि साफाखाना रोड मोड़ पर दो पुलिस वाले की ड्यूटी लगी हुई थी, जो गोला रोड मोड़ और साफाखाना रोड में जाम नहीं होने देते हैं। फिलहाल साफाखाना रोड मोड़ से पुलिस की ड्यूटी नहीं लगाए जाने से वाहन चालक की मनमानी तो है ही, दुकानदारों की भी जबरदस्त है। सुबह 8 बजे तक गोदाम में माल उतारने के लिये भारी वाहनों से माल उतार लिया जाता है। फिर रात्रि दस बजे के बाद माल अनलोड किया जाता है, जिससे जाम होने की संभावना कम रहती है। वर्तमान समय में माल ढोने वाले ठेला रोड के दोनों तरफ लगा दिया जाता है, वहीं दुकानदार अपनी दुकान को आगे बढ़ावा देते हैं यह सब पुलिस के निष्क्रीयता से हो रहा है, पुलिस जो मोड़ पर ड्यूटी देती थी, कहीं दिखाई नहीं पड़ती है। ऐसे में जाम को बढ़ावा मिलता है, स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस पहले जैसा सक्रीय होकर ड्यूटी बजाए तो जाम की समस्य नहीं होगी। नगर परिषद को भी चाहिए की इस रोड पर जाम को बढ़ावा देने वाले दुकानदारों, गोदाम मालिकों सहित अन्य को नोटिस करें।

गौरतलब है कि डुमरांव का राजगोला रोड यहां की मुख्य मंडी है, जहां हर दिन लाखों का कारोबार होता है, लेकिन अतिक्रमण के चलते पूरे दिन इस पथ में पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। जिस कारण बाहर से आने वाले व्यवसायी व खरीददार अब कतराने लगे है।

लंबे समय से नहीं चला है अभियान : नगर परिषद प्रशासन ने लंबे समय से डुमरांव में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान नहीं चलाया है। जिस कारण अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

नहीं बन पाया है वेंडिंग जोन : दूसरी तरफ नगर परिषद प्रशासन द्वारा फुटपाथी दुकानदारों के लिए वेंडिंग जोन नहीं बनाया गया है। जिस कारण यहां फुटपाथ पर रोजगार करने वाले दुकानदार सड़क किनारे अपनी दुकान सजाने को मजबूर हो रहे है। फुटपाथी संघ के मिंटू हॉशमी का कहना है कि यदि फुटपाथियों के लिए नगर परिषद प्रशासन वेंडिंग जोन बना दिया गया होता हो उन्हें सड़क किनारे दुकान लगाने की नौबत नहीं आती।

चलेगा पूरे शहर में अभियान

“ शहर में अतिक्रमण के खिलाफ नगर परिषद प्रशासन काफी गंभीर है। होली के बाद अभियान चला पूरे शहर को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। शहर को अतिक्रमणमुक्त रखना नप की प्राथमिकता में शामिल है।

– सुमित कुमार गुप्ता, चेयरमैन
प्रतिनिधि, नगर परिषद, डुमरांव

एक नजर

जाति-आय व आवास बनाने के लिए भटक रहे लाभुक, जदयू नेता ने की कार्रवाई की मांग

डुमरांव। सरकार ने मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना को बढ़ावा देने के लिये दो लाख रुपए देने घोषणा की थी। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि पांच मार्च 2025 को रखी गई थी। उस फार्म को भर कर जमा करने वालों से अधिकारियों हस्ताक्षर से बने प्रमाण पत्र को ही तरजीह दी जा रही थी। प्रमाण पत्र बनाने से पहले राजस्व कर्मचारी मजिस्ट्रेट एवं नोटरी के माध्यम से बना शपथ पत्र लाभुकों को परेशान करते हैं। ऐसे में प्रमाण पत्र बनाने में 200 से लेकर 500 रुपये तक लाभुकों को खर्च करना पड़ जाता है, वह भी समय से नहीं मिल पाता। इस परेशानी से बचाने के लिये सरकार ने वर्ष 2011 में ही अपने पत्रांक संख्या-673 दिनांक 8 मार्च 2011 के माध्यम से जिले के डीएम को यह आदेश दिया था कि लाभुक स्वहस्ताक्षरित शपथ पत्र के आधार पर ही प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। फिर लाभुकों को परेशान क्यों किया जा रहा है। इसको लेकर जदयू के निवर्तमान विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य सह जिला बीस सूत्री सदस्य नथुनी खरवार ने मुख्यमंत्री को आवेदन मेल कर उने आग्रह किया है कि अंतिम डेट का एक सप्ताह बढ़ा दिया जाए। क्योंकि सभी राजस्व कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं तो प्रमाण पत्र बनवाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने यह भी मांग किया है कि जो स्वहस्ताक्षरित घोषणा पत्र के अधार पर प्रमाण पत्र को मान्यता दी गई है, उसे गंभीरता लेते हुए वैसे कर्मियों व अधिकारियों पर कार्रवाई किया जाए।

तामिलनाडु पुलिस ने ठगी मामले में की छापेमारी

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवां गांव में मंगलवार को स्थानीय पुलिस के सहयोग से तामिलनाडु पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में थाना क्षेत्र के सोवां गांव में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को सफलता नहीं मिली तथा वांछित अपराधी पकड़ में नहीं आ सका। बावजूद इस छापेमारी की गांव में चर्चा होते रही। मिली जानकारी के अनुसार तामिलनाडु में हुए 20 लाख रुपये के साइबर ठगी मामले में यह छापेमारी हुई थी। जिसको लेकर पीड़ित द्वारा तमिलनाडु के नीलगिरी साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज की कराई गई है कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि तमिलनाडु से 20 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई है जिसमें गिरफ्तारी के लिए सोवा गांव में तमिलनाडु पुलिस के साथ छापेमारी की गई थी आरोपी फरार रहा।

विकास मित्र के चयन को ले मेधा सूचि प्रकाशित

बक्सर। नगर परिषद बक्सर में विकास मित्र की मेधा सूचि का प्रकाशन किया गया है। मेधा सूचि पर किसी भी प्रकार की शिकायत व आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्ति 3 मार्च से 10 मार्च तक दर्ज कराया जा सकता है। इसको लेकर नगर परिषद बक्सर ने सूचि के साथ नोटिफिकेशन जारी किया है। ज्ञात हो कि अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर के निर्देश के आलोक में 17 फरवरी से 24 मार्च तक आवेदनों की मांग किया गया था। जिसमें निर्धारित समय पर कुल 14 आवेदन नगर परिषद बक्सर के विकास मित्र के 1 पद के नियोजन हेतु आवेदन प्राप्त हुए है। प्राप्त आवेदन के आलोक में मेधा सूचि का प्रकाशन नगर परिषद द्वारा कर दिया गया है। वहीं इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विकास मित्र के चयन को ले तैयार मेधा सूचि प्रकाशित कर दिया गया है। मेधा सूचि पर अगर किसी को आपति हो तो वे अपना आपति 3 मार्च से 10 मार्च तक शाम 5:00 बजे अपराहन तक नगर परिषद बक्सर कार्यालय में दर्ज कराया जा सकता है। यदि निर्धारित प्रकाशित मेधा सूचि पर कोई आपत्ति व शिकायत दर्ज नहीं कराया जाता है तो मेधा सूचि आगे की चयन प्रक्रिया के लिए मान्य होगा।

नशे की लत से लोगों को होती हैं कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं: रितेश रंजन

♦ एनसीसी ने चलाया नशा मुक्ति अभियान, कैडेट्स को किया जागरूक

केटी न्यूज/डुमरांव

30 बिहार बटालियन एनसीसी ने जिले के सभी स्कूलों के एनसीसी कैडेटों के बीच नशा मुक्ति अभियान चला उन्हें इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी। इसके कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन की अध्यक्षता में चालए जाने वाले इस कार्यक्रम अभियान का आयोजन मंगलवार को आईटीआई के निकट मौजूद श्रम कार्यालय बक्सर में हुआ। इस अभियान में बक्सर के सभी स्कूल और कॉलेज के एनसीसी कैडेटो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इसी बीच श्रम कार्यालय के अधिकारी ने नशा करने से होने वाले हानि के बारे में कैडेट्स को पूरी जानकारी दी। फिर बताया की नशे की लत से लोगों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होती है। जिससे नशे से लीवर खराब होने, हृदय संबंधी रोग, सांस संबंधी समस्याएं और शरीर में तंत्रिका तंत्र को हानि जैसे कई रोग हो सकते हैं। नशा करने की समस्या से छुटकारा पाने का उपाय है, जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बच्चों को बताया गया की जब घर का अभिभाव नशा करता है तो पूरा परिवार बबार्दी के कगार पर पहुंच जाता है। आपको इस नशा से दूर तो रहना ही है, अपने आस पड़ोस के लोगों को भी इससे होन वाले नुकसान का बताएं और इससे दूरी बनाने के लिये कहें। मजदूरी करने वाला दिनभर काम कर पैसा कमाता है, तो उसका परिवार घर पर इंतजार करता है, लेकिन कमाए पैसे को नशा में खर्च कर नशे की हालत में घर पहुंचता है तो परिवार के लोग किस स्थिति में पड़ जाते हैं, इससे बच्चों को अवगत कराया गया। नायब सुबेदार चन्द्रशेखर सिंह, सुबेदार अरविन्द सिंह और बीएचएम राहुल कुमार सिंह मौजूद रहे।

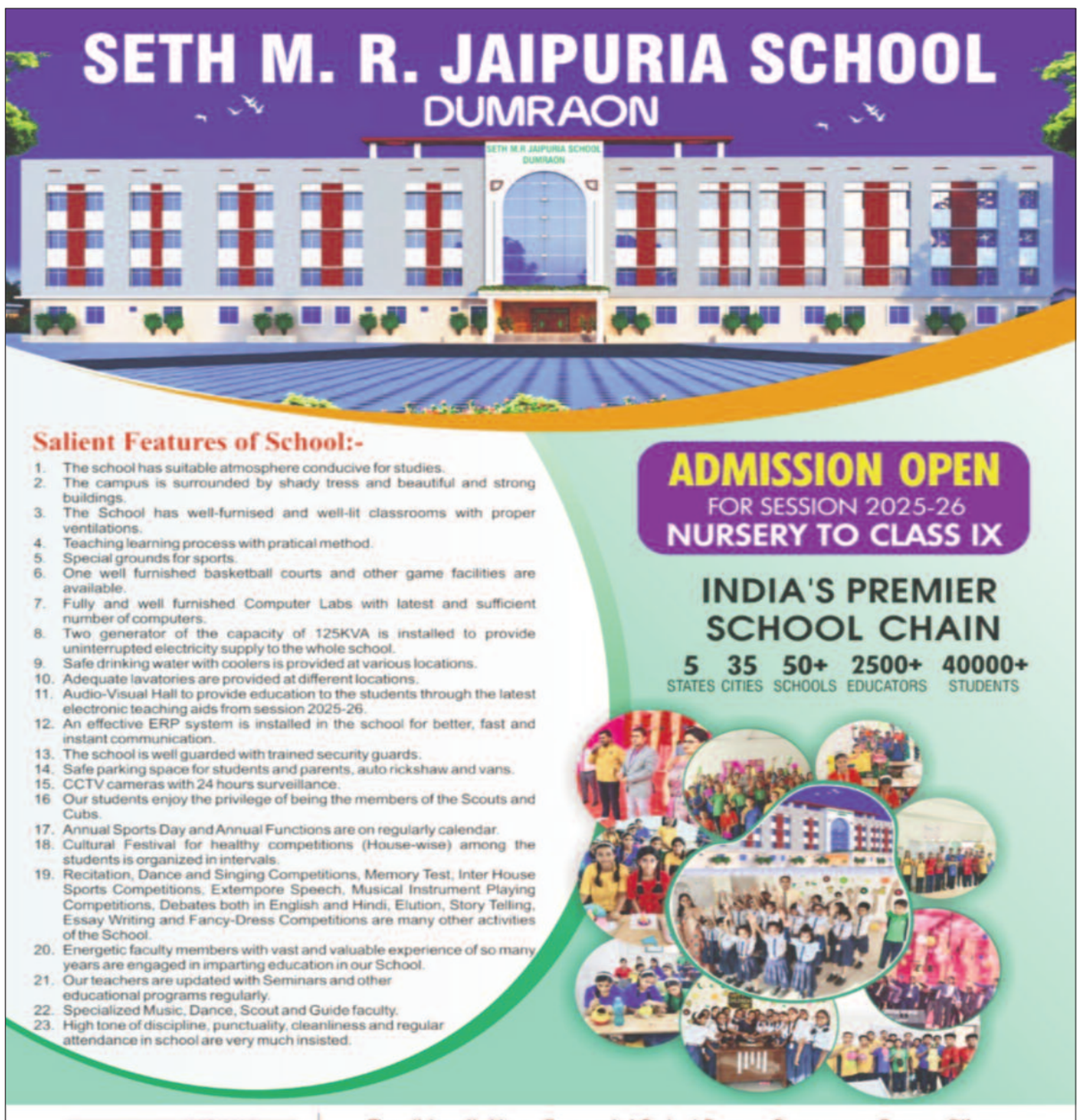

बक्सर स्थित संयुक्त कृषि भवन परिसर में दो दिवसीय कृषि यांत्रिकरण मेले का हुआ उद्घाटन

70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर: डीएओ

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त कृषि भवन के परिसर में मंगलवार को दो दिवसीय कृषि यांत्रिकरण मेला का शुभारंभ किया गया। मेला का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर, सहायक निदेशक यांत्रिकरण आशीष कुमार व प्रगतिशील कृषक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। वहीं मंच संचालन अमान अहमद ने की।

जिला कृषि पदाधिकारी अविनाश शंकर ने कहा कि भारत की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। आजीविका का अहम स्त्रोत खेती-बाड़ी को समृद्ध करने हेतु नये-नये तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का प्रयोग कर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हासिल की जा सकती है। विभाग द्वारा 75 प्रकार के कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। अनुदान का लाभ लेने हेतु इच्छुक कृषक विभागीय पोर्टल ऑफमास पर लॉगीन कर या अपने सम्बंधित पंचायत के कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार, बीटीएम,एटीएम से अनुदान की प्रक्रिया एवं आवेदन करने से सम्बंधित जानकारी हासिल कर सकते हैं।

अवशेष प्रबंधन वाले यंत्रों पर 75 से 80 % तक दिया जा रहा अनुदान : कृषि यांत्रिकरण सहायक निदेशक सह भूमि संरक्षण के उप निदेशक आशीष कुमार ने फसल अवशेष प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन वाले यंत्रों पर 75 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। मौके पर राकेश कुमार, पंचायत-मंगराव को स्पेशल कस्टम हायरिंग सेंटर के तहत बारह लाख रुपये का अनुदान दिया गया। इस कस्टम हायरिंग सेंटर में रीपर, सुपर सीडर, स्ट्रा रीपर, ट्रैक्टर, पैडी थ्रेसर तथा कल्टीवेटर यंत्र शामिल है। स्थानीय पंचायत के कृषक किराये पर इन यंत्रों का लाभ ले सकते हैं। मेले में चंदन पांडेय, मदन कुमार सिंह सहित अन्य प्रगतिशील कृषक को 80 प्रतिशत अनुदान पर मैनुअल कृषि यंत्र कीट का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि आज के मेले में कृषकों द्वारा लगभग नौ लाख रुपये मूल्य के छोटे-बड़े कृषि यंत्रों की खरीदारी की गई, जिसमें लपेटा पाईप, मैनुअल कीट, इलेक्ट्रीक चैप कटर, आटा चक्की मशीन, रोटावेटर, जी-रोटिलेज मशीन यंत्र प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय में चल रहे 12 दिनों से शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारियों के आंदोलन का आइसा ने किया समर्थन

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्विद्यालय में शिक्षक और कर्मचारी को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण ये 12 दिनों से लगातार धरना दे रहे हैं। लेकिन बिहार की डबल इंजन की सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। इस वेतन संकट के कारण कर्मचारी आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और लगातार सरकार से वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2024 में भी सरकार ने मात्र तीन बार ही वेतन भुगतान किया था।छात्र संगठन आइसा के नेताओं ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि होली से पहले वेतन का भुगतान नहीं किया गया, तो आइसा पूरे बिहार में शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान के मांग को लेकर आंदोलन करेगा । सरकार के उदासीनता के कारण विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार चलाने में हो रही परेशानियों के कारण वे मानसिक और आर्थिक दबाव में है।शिक्षा विभाग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बिहार के विश्वविद्यालयों में कार्यरत हजारों कर्मचारी वेतन के अभाव में अपने परिवार की आवश्यक जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में सरकार की चुप्पी और देरी उनके आक्रोश को और बढ़ा रही है।अगर कर्मचारियों का वेतन शीघ्र नहीं दिया गया, तो इससे विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक कार्यों पर भी असर पड़ेगा। शिक्षक और कर्मचारी विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली का अहम हिस्सा होते हैं, और उनके बिना प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से नहीं चल सकते। बिहार के विश्वविद्यालयों में वेतन संकट एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कर्मचारियों के लगातार विरोध और चेतावनी के बावजूद सरकार की निष्क्रियता चिंता का विषय है। अगर जल्द कोई समाधान नहीं निकला, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है, जिससे राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। इससे छात्रों की पढ़ाई पर भी असर पड़ने की संभावना है। सरकार को तत्काल इनकी मांगों पर विचार करना चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों के आंदोलन में छात्र संगठन आइसा भोजपुर जिला सह सचिव रौशन कुशवाहा, महाराजा कॉलेज सचिव राजेश कुमार, जैन कॉलेज सचिव चंदन दास, कॉलेज अध्यक्ष राजन कुमार, अनूप कुमार, नंदनी कुमारी और विकाश कुमार शामिल हुए।

गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड़ के समीप हुई घटना

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

- इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी ले जाने के दौरान गंभीर रूप से घायल ने रास्ते में तोड़ा दम
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

जिले के गड़हनी-अगिआंव मार्ग पर गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड़ के समीप सोमवार की देर शाम अज्ञात वाहन ने ससुराल जा रहे बाइक सवार एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी ले जाने के दौरान उसने रास्ते में ही काम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक धनगाई थाना क्षेत्र के बोधा टोला गांव निवासी अक्षय चौधरी का 35 वर्षीय पुत्र रामजी चौधरी है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक के भाई संजीव कुमार ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर सोमवार की देर शाम गड़हनी थाना क्षेत्र के पोसवां गांव अपने ससुराल जा रहा था। उसी दौरान धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड के समीप किसी अज्ञात वाहन उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा उसे इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर पुलिस वह पहुंची और उन्होंने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन गड़हनी पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां मंहगो देवी,पत्नी रीता देवी, तीन पुत्र सिकंदर,विष्णु, रमाशंकर व दो पुत्री सीमा कुमारी एवं कमलावती कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां महंगो देवी,पत्नी रीता देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा कि रामजी चौधरी पत्नी से मिलने अपने ससुराल जा रहा था। हादसे के बाद उसे गड़हनी पीएचसी ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना गड़हनी-अगिआंव मार्ग पर गड़हनी थाना क्षेत्र के धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड़ के पास की है। मृतक के भाई संजीव कुमार ने बताया कि वह बाइक से गड़हनी थाना क्षेत्र के पोसवां गांव अपने ससुराल जा रहा था। उसी दौरान धमनियां पुल स्थित रत्नाढ़ मोड के समीप किसी अज्ञात वाहन उसके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वह सड़क पर गिर पड़े थे। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। पहले जख्मी की पहचान नहीं हो पा रही थी कि जख्मी कहा के रहने वाले है। काफी खोजबिन के बाद उनके कपड़े से कुछ कागजात बरामद हुआ। इसके बाद उनके परिजनो से संपर्क स्थापित कर सूचना दी गई। जख्मी को इलाज के लिए नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

आरा में 42 पुड़िया गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

आरा। गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर बाजार से 42 पुड़िया गांजा के साथ एक युवक को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उक्त गिरफ्तारी स्थानीय लोगों की ओर से दी गई गुप्त सूचना के आधार पर की जा सकी। थानाध्यक्ष उमुश सलमा ने बताया कि कायमनगर बाजार पर पैकेट में पुड़िया बनाकर गांजा लेकर एक व्यक्ति की ओर से बेचे जाने की गुप्त सूचना मिलने के बाद गांजा बेच रहे कायमनगर गांव निवासी रामजी साहू के पुत्र विनोद साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 42 पुड़िया में रखा 82 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जेल भेजे जाने की कार्रवाई की है। वहीं पुलिस का कहना है कि इस तरह के तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। शीघ्र ही इसके जुड़े अन्य तस्करों की गिरफ्तारी होगी।

बेटी के ससुराल जा रहे पिता की ट्रेन से गिरकर मौत

- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पूर्वी गुमटी स्थित डाउन लाइन पर मंगलवार की सुबह घटी घटना, परिजनों का हुआ बुरा हाल

केटी न्यूज/आरा

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पूर्वी गुमटी स्थित डाउन लाइन पर मंगलवार की सुबह ट्रेन से गिरकर बेटी के ससुराल जा रहे पिता की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक बड़हरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी स्व.कृष्णा साह के 55 वर्षीय पुत्र उधारी साह है एवं वह पेशे से मजदूर थे। इधर मृतक के पड़ोसी सुनील कुमार यादव ने बताया कि वह मंगलवार की आरा स्टेशन पर ट्रेन पर सवार होकर पूर्वी चंपारण (सीतामढ़ी) अपनी बेटी गुड़िया देवी के ससुराल जा रहे थे। उसी दौरान आरा स्टेशन के पूर्वी गुमटी स्थित डाउन लाइन पर ट्रेन से गिर पड़े। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरा रेल पुलिस द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व दो बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी उषा देवी व तीन पुत्र भरत गुप्ता,शत्रुघन गुप्ता,श्रवण गुप्ता एवं एक पुत्री गुड़िया देवी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी उषा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं इस बात का पता नहीं चल पाया कि आखिर वह ट्रेन से कैसे गिरे। जीआरपी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सूचना दिया कि एक व्यक्ति पटरी किनारे पड़ा हुआ है। तत्काल उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अवैध पिस्टल और गोली के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के शाहपुर और चांदी थानों की पुलिस ने वारदात को अंजाम देने से पूर्व पिस्टल, कट्टा और गोलियों के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो को शाहपुर, जबकि एक को चांदी इलाके से पकड़ा गया है। शाहपुर में गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो पिस्टल, चार गोलियां, दो मैगजीन और दो मोबाइल बरामद किये गये हैं। चांदी थाना क्षेत्र के रामपुर गांव से गिरफ्तार अपराधी प्रदीप कुमार के पास से एक देसी कट्टा, तीन गोली और एक बाइक बरामद की गयी है। शाहपुर थाने की ओर से गिरफ्तारी अपराधियों में स्थानीय वार्ड नंबर दस निवासी रितेश कुमार और प्रकाश कुमार शामिल हैं। दोनों को हथियार के साथ सोशल मीडिया पर हथियार के साथ वीडियो वायरल होने के बाद पकड़ा गया है। एसपी राज की ओर से मंगलवार को प्रेस बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। इधर, जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर दो लोगों का अवैध हथियार के साथ वीडियो और फोटो वायरल हुआ था। इसे लेकर थानाध्यक्ष कुमार रजनी कांत की ओर से टीम गठित कर वीडियो में दिख रहे लोगों का सत्यापन किया गया। उस क्रम में उनकी पहचान शाहपुर वार्ड नंबर दस निवासी मनबोध यादव के पुत्र रितेश कुमार और भरत यादव के पुत्र प्रकाश कुमार के रूप में की गयी। इसके बाद दोनों को मंगलवार को दोपहर शाहपुर वार्ड नंबर दस स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान दोनों के घरों से एक-एक पिस्टल, दो-दो गोली और एक-एक मैगजीन बरामद किए गए। दोनों के मोबाइल भी जब्त कर लिया गया है।

बेलगाम पिकअप ने बाइक सवार 3 भाईयों को रौंदा, एक की मौत

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में आरा-अरवल रोड पर सहार थाना क्षेत्र के खैरा स्थित धर्मकांटा के समीप मंगलवार की सुबह बेलगाम पिकअप ने बाइक सवार तीन चचेरे भाइयों को रौंद दिया। इसमें चचेरे भाई की शादी के लिए लड़की देखने जा रहे एक भाई की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हो गये। अरवल सदर अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को गंभीर स्थिति में पटना रेफर कर दिया गया है। मृत युवक गड़हनी थाना क्षेत्र के ईश्वरपुरा गांव निवासी नारद चौधरी का 20 वर्षीय पुत्र मुन्नु चौधरी था। घायलों में उसी गांव के निवासी निर्मल चौधरी के 30 वर्षीय पुत्र मुकेश चौधरी और स्व. पताली चौधरी के 24 वर्षीय पुत्र प्रमोद चौधरी शामिल हैं। परिजन अमित कुमार ने बताया कि मुन्नु चौधरी अपने चचेरे भाई मोदी चौधरी की शादी के लिए लड़की देखने मुकेश चौधरी और प्रमोद चौधरी के साथ मंगलवार की सुबह बाइक से अरवल जा रहा था। उसी दौरान खैरा स्थित धर्मकांटा के समीप सामने से आ रही एक बेलगाम पिकअप ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गये। मौके पर पहुंची सहार थाने की पुलिस ने तीनों को इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान मुन्नु चौधरी ने दम तोड़ दिया। मुकेश चौधरी और प्रमोद चौधरी को प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। मृत मुन्नु चौधरी तीन भाइयों में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां चिंता देवी, भाई सोनू चौधरी और संटू चौधरी है। हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां चिंता देवी सहित परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिस्कोमान अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में कुल 21 वोटर हैं

बिस्कोमान अध्यक्ष पद का चुनाव 9 मार्च को

केटी न्यूज/आरा

बिहार में सहकारिता क्षेत्र की सबसे बड़ी संस्था बिस्कोमान के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव 9 मार्च को होगा। इस चुनाव में दो दशक से लगातार बिस्कोमान के अध्यक्ष रहे राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई सुनील सिंह के दबदबे की अग्निपरीक्षा होगी। सुनील सिंह की पत्नी बंदना सिंह अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने जा रही हैं। भाजपा नेता विशाल सिंह सहकारिता क्षेत्र में अपने परिवार के वर्चस्व को वापस हासिल करने के लिए बिस्कोमान के अध्यक्ष पद पर नजर गड़ाए बैठे हैं। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 8 मार्च को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन होगा जबकि 9 मार्च को पटना डीएम के दफ्तर में मतदान होगा। पटना डीएम इस चुनाव के रिटर्निंग अफसर हैं। बिस्कोमान अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में कुल 21 वोटर हैं जो इसके निदेशक मंडल सदस्य होते हैं। इन 21 निदेशकों में 17 चुनाव से आते हैं जबकि 4 को मनोनीत डायरेक्टर होते हैं। जनवरी में निदेशक मंडल का चुनाव कराया गया था जिसमें सुनील सिंह की पत्नी बंदना सिंह और विशाल सिंह समेत 17 लोग जीते थे। निदेशक मंडल के चुनाव के बाद सुनील सिंह और विशाल सिंह गुट ने जीत का दावा किया था लेकिन असल में किसके पास बहुमत है, अब चुनाव के बाद पता चलेगा।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी सुनील सिंह की टछउ सदस्यता बहाल नहीं, राबड़ी के 'भाई' ने किसे लिखा पत्र?विशाल सिंह सहकारिता क्षेत्र के बड़े कद्दावर परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। विशाल के दादा तपेश्वर सिंह बिस्कोमान के संस्थापकों में से एक थे। विशाल के पिता अजित सिंह को-ऑपरेटिव सेक्टर के दिग्गज नेता रहे हैं और लंबे समय तक भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारिता संघ (एनसीसीएफ) के अध्यक्ष रहे। अजित सिंह सांसद रहे और एक सड़क दुर्घटना में उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी मीना सिंह भी सांसद बनीं। भाजपा नेता और पूर्व सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह विशाल के ससुर हैं। विशाल दो साल पहले निर्विरोध एनसीसीएफ के अध्यक्ष चुने गए थे और तब सुनील सिंह भी उनके समर्थन में थे। विशाल सिंह सहकारिता क्षेत्र के बड़े कद्दावर परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। विशाल के दादा तपेश्वर सिंह बिस्कोमान के संस्थापकों में से एक थे। विशाल के पिता अजित सिंह को-ऑपरेटिव सेक्टर के दिग्गज नेता रहे हैं और लंबे समय तक भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारिता संघ के अध्यक्ष रहे। अजित सिंह सांसद रहे और एक सड़क दुर्घटना में उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी मीना सिंह भी सांसद बनीं। भाजपा नेता और पूर्व सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह विशाल के ससुर हैं। विशाल दो साल पहले निर्विरोध एनसीसीएफ के अध्यक्ष चुने गए थे और तब सुनील सिंह भी उनके समर्थन में थे।

मंईयां सम्मान योजना और सर्वजन पेंशन के आगे अन्य विभागों की चमक पड़ी फीकी

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में आज वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तिय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। सरकार ने विधानसभा में प्रस्तुत किए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है।

सरकार ने बजट में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और सर्वजन पेंशन के लिए बड़ी राशि का प्रविधान किया है।लोगों के उम्मीद के मुताबिक बजट में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए बड़ी राशि कुल 13363.36 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। यह राशि कई अन्य विभागों के लिए बजट में निर्धारित राशि से अधिक है।

वहीं, सर्वजन पेंशन के लिए भी बड़ी राशि का प्रविधान किया गया है। इन दोनों योजनाओं से 18 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाएं लाभान्वित होंगी। सर्वजन पेंशन के लिए 3850.66 करोड़ रुपये का बजट में प्रस्ताव किया गया है। यह कह सकते हैं कि इन दोनों योजनाओं के आगे अन्य विभागों की चमक फीकी है।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 18 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं, सर्वजन पेंशन के तहत लगभग 34 लाख लाभुकों को प्रतिमाह एक हजार रुपये पेंशन दी जाती है।

केंद्र के सहयोग से संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन आदि के लिए भी 1449.26 करोड़ रुपये का प्रविधान बजट में किया गया है। चार लाख गर्भवती महिलाओं को मातृ किट देने के लिए भी 60 करोड़ रुपये का प्रविधान बजट में किया गया है।

कामकाजी गर्भवती महिलाओं को प्रति लाभुक पांच हजार रुपये की दर आर्थिक सहायता देने के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रविधान भी बजट में है।

राज्य सरकार उन 2,500 आंगनबाड़ी का भवन इस वर्ष बनवाएगी जो अभी किराए के भवन में संचालित हो रहे हैं। साथ ही आदिम जनजाति बहुल क्षेत्रों में 275 आंगनबाड़ी केंद्रों के भी भवन बनाए जाएंगे। इसके लिए 33 करोड़ रुपये की राशि का प्रस्ताव बजट में किया गया है।

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने राज्य सरकार के बजट को बेहतरीन बताया है। महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि सरकार ने अपने चुनावी वादों को प्राथमिकता दी है।

इस बजट में युवाओं के लिए रोजगार, कृषि क्षेत्र में सुधार, महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ढ़ेर सारे फैसले लिए गए हैं। शिक्षा क्षेत्र में सरकार ने कौशल विकास, कानूनी शिक्षा और छात्रों के लिए नए अवसर देने की योजनाएं बनाई हैं तो इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

सरकार की योजना युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के लिए पर्यटन क्षेत्र को उद्योग से जोड़ने की है। महिलाओं के लिए मंईयां सम्मान योजना का बजटीय प्रविधान किया गया है। बुजुर्गों को भी विशेष सहायता दी जाएगी। उन्होंने यह बताया कि किसानों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाएं बनाई है।

पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करने के लिए विशेष फंड का गठन सरकार करेगी। बजट झारखंड की जनता की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता है। यह राज्य के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीएल कोल डंप में मजदूरों का हंगामा, प्रबंधन और सीआईएसएफ पर लगाया कोयला चोरी का आरोप

धनबाद, एजेंसी। जिले में बीसीसीएल में कोयले का प्रोडक्शन चोरों के लिए लिया किया जा रहा है. यह कहना है कोल डंप में ट्रक लोडिंग करने वाले मजदूरों का. आक्रोशित मजदूरों ने कोयला चोरी के खिलाफ जमकर हंगामा किया. मजदूरों ने कोयले की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों को खरी खोटी भी सुनाई. बीसीसीएल प्रबंधन पर कोयला चोरी करने का आरोप लगाते हुए मजदूरों ने मीडिया के समक्ष जमकर अपनी भड़ास निकली.

कोल डंप के उपाध्यक्ष मनोज निषाद ने कहा कि तेतुलमारी कोलियरी में 4 हजार टन के कोयले का डीओ आया है. लेकिन पिछले कई दिनों से 14 चक्का ट्रक में लोडिंग नहीं करने दिया जा रहा है. 12 चक्का ट्रक में लोडिंग कराने की बात बीसीसीएल प्रबंधन कह रही है, जबकि मजदूरों का कहना है कि 12 चक्का ट्रक खास कोयला लोडिंग के लिए अभी नहीं मिलता है.

मनोज निषाद ने कहा कि यहां आउटसोर्सिंग के अधिकारियों और कोयला तस्करों की मिलीभगत से सिर्फ कोयले की चोरी हो रही है. उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ की मिलभगत भी इस कोयला चोरी में है. उन्होंने कहा कि लोकल सेल के लिए कोयला नहीं दिया जा रहा है. कोयले की मांग के लिए आंदोलन करना पड़ता है, लेकिन कोयला चोरों को आसानी से मिल जाता है.

कोल डंप के अध्यक्ष अशोक ठाकुर ने कहा कि पिछले 18 महीने से रोड सेल बंद कर रखा है. बीसीसीएल के द्वारा कोयला उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. जिस कारण ट्रकों में कोयला लोडिंग करने वाले सैकड़ों मजदूरों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. बीसीसीएल, आउटसोर्सिंग और सीआईएसएफ की मिलीभगत से कोयले की चोरी चल रही है. जिसका खामियाजा मजदूरों को उठाना पड़ रहा है. ऐसे आउटसोर्सिंग को ब्लैक लिस्ट कराने की मांग मजदूरों ने की है.

400 हेल्थ वर्कर की नौकरी पर मंडराने लगा खतरा, झोल सामने आते ही मचा हड़कंप, दिए गए जांच के आदेश

रांची, एजेंसी। फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर वर्ष 2023 में जामताड़ा में अनुबंध पर लगभग 400 हेल्थ वर्कर की नियुक्ति की गई।

आश्चर्यजनक यह है कि जिस संस्थान का सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया गया, वहां इसके पाठ्यक्रम संचालित नहीं होते। इससे संबंधित शिकायत स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों तक पहुंचा है।

इसके बाद हुई आरंभिक जांच में खुलासे चौकाने वाले हैं। जिस संस्थान मां पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट का सर्टिफिकेट बहाली से संबंधित दिया गया है, उसने इस प्रकरण में अपने हाथ खड़े कर दिए हैं।

इस संस्थान का रजिस्टर्ड कार्यालय, शिव मंदिर के निकट, नामकुम बस्ती, रांची-खूंटी रोड है। लेकिन जारी किए गए सर्टिफिकेट में इसका पता हनुमान मंदिर के निकट, कृष्णापुरी चुटिया दिया गया है। यह भी आश्चर्यजनक है कि जिन अभ्यर्थियों को बहाल किया गया, उन सभी के प्रमाणपत्र एक ही इंस्टीट्यूट मां पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट की ओर से जारी किए गए हैं। सारी बहालियां कमांडो सिक्योरिटी फोर्स, हजारीबाग के जरिए नियोजन कर सिविल सर्जन, जामताड़ा को भेजी गई। इस पूरे प्रकरण में अनुबंध पर बहाल एक लैब टेक्नीशियन मंटू कुमार रूहीदास का नाम सामने आया है कि बहाली के नाम पर अभ्यर्थियों से भारी वसूली भी की गई।

शिकायत आई है कि सर्टिफिकेट के नाम पर प्रति अभ्यर्थी 40 हजार रुपये और प्रतिनियोजन के नाम पर 60 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक वसूले गए। कुल मिलाकर लगभग पांच करोड़ रुपये की वसूली की गई।

कमांडो एजेंसी के जरिए लगभग 100 गार्ड भी बहाल किए गए, जिसमें प्रति अभ्यर्थी 60 हजार रुपये से 70 हजार रुपये तक वसूलने की शिकायत की गई है।

रांची जेल से अपराधी अब फोन पर नहीं कर पाएंगे हैलो-हाय, हेमंत सरकार ने ले लिया बड़ा फैसला

रांची, एजेंसी। रांची जेल समेत झारखंड के जेलों में बंद अपराधी अब कारोबारियों से रंगदारी की मांग नहीं कर पाएंगे। सभी जेल में हाईटेक जैमर लगेगा। इस बार के बजट में जैमर लगाने के लिए पैसा देने की अनुमति मिली है। जेल में बद अपराधी अपने गैंग के भी सदस्यों से संपर्क नहीं कर पाएंगे। रिटायर्ड डीएसपी अरविंद कुमार सिन्हा का कहना है कि यह सरकार की अच्छी पहल है। इसे पहले ही लागू कर देना चाहिए था। हाईटेक जैमर लगाने से अपराधियों पर पूरी तरह से नकेल लग जाएगी।

जेल में बंद अपराधी मोबाइल के अलावा और भी इलेक्ट्रोनिक सामान का इस्तेमाल करते है। अब सभी इलेक्ट्रोनिक उपकरण कोई काम नहीं करेगा। पुलिस के लिए जेल में बंद अपराधी सिरदर्द बने हुए थे। इस वजह से उन्हें एक जेल से दूसरे जेल में बार बार शिफ्ट करना पड़ता था। अब पुलिस को ऐसा नहीं करना होगा। अभी जेल में टू जी जैमर लगा हुआ है। अपराधी फोर जी, फाइव जी मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे थे। इस वजह से जैमर होने के बाद भी वह किसी काम का नहीं था। जेल में बंद अपराधी आसानी से कारोबारियों से रंगदारी की मांग करते थे। रंगदारी नहीं देने पर उनपर हमला भी करा देते थे। इससे कारोबारियों में दहशत का माहौल बना रहता था। पुलिस अपराधियों को रोक नहीं पाती थी।

अब कारोबारियों को डरने की जरुरत नहीं है। अपराधी हाइटेक उपकरण से पुलिस पर भारी पड़ रहे थे। लेकिन अब पुलिस अपराधियों पर भारी पड़ेगी। रांची के लालपुर थाना में बिना मोरहाबादी मैदान में फिल्म फेस्टिवल कराने के मामले में जिफा के संस्थापक अध्यक्ष ऋषि प्रकाश मिश्रा के खिलाफ केस हुआ है। केस मजिस्ट्रेट के बयान पर हुआ है। लालपुर थाना की पुलिस का कहना है बिना आदेश मिले कार्यकम का आयोजन हो रहा था। रविवार को कई बड़े एक्टर रांची पहुंचे थे। उन्हें कार्यक्रम में शामिल होना था। कार्यक्रम नहीं होने की वजह से सभी एक्टर वापस लौट गए थे। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी हो जाने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वहीं ऋषि प्रकाश ने रविवार को कहा था कि दो दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन मोराबादी मैदान से जिला प्रशासन द्वारा जबरन कार्यक्रम बंद करा दिया गया। 10 मार्च तक झारक्राफ्ट को मैदान आवंटित किया गया था जिनके संयुक्त तत्वाधान में जिफा का आयोजन किया गया था । कार्यक्रम में भारत रत्न लत मंगेशकर की बहन प्रसिद्ध गायिका उषा मंगेशकर, गदर के निर्देशक अनिल शर्मा और प्रसिद्ध निर्देशक राकेश रोशन तक को शामिल होना था । प्रशासन का कहना है कि कोई भी हो बिना आदेश के मोरहाबादी में कार्यक्रम नहीं करा सकता है। ऐसा जो भी करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

15 जिलों में बिजली विभाग का छापा, ठोका 5 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना, मचा हड़कंप

रांची, एजेंसी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड की ओर से राज्यभर के 15 जिलों में बिजली चोरी रोकने के लिए एटीपी के महाप्रबंधक श्रवण कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान 5 करोड़ 81 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही छापेमारी के दौरान 3177 लोगों पर मुकदमा और 19,126 स्थानों में छापेमारी की गई।

एटीपी के महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने बताया कि बिजली चोरी की रोकथाम के लिए विभाग लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर 9431135-515 पर शिकायत कर सकते है। उन्होंने कहा कि शिकायत गोपनीय रखी जाएगी।

छापेमारी किए जाने वाले जिले में रांची में 3153 स्थान पर छापेमारी की गई, जिसमें 392 लोगों पर मुकदमा और 51.56 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं, गुमला जिले में 585 स्थान पर छापेमारी करते हुए 126 पर मुकदमा दर्ज किया गया और 15.87 लाख का जुर्माना लगाया गया। वहीं, जमशेदुपर में 2120 स्थान पर छापेमारी करते हुए 254 पर मुकदमा दर्ज कराया गया और 60.61 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया।

चाईबासा में 2100 स्थान पर छापेमारी की गई, इस दौरान 189 पर मुकदमा और 22.23 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। धनबाद में 1557 स्थान पर छापेमारी करते हुए 157 पर मुकदमा दर्ज किया गया है और 27.37 लाख रुपये का जुर्माना वूसला गया है।

वहीं, बता दें कि सबसे अधिक जुर्माना हजारीबाग में 79.78 लाख रुपये का लगाया गया और सबसे कम जुर्माना गुमला जिले में 15.87 लाख रुपये लगाया है। श्रवण कुमार ने बताया कि बिजली की चोरी के लिए आगे भी लगतार छापेमारी की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड अंतर्गत भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल सहित अन्य क्षेत्रों में रोड के दोनों किनारों पर विद्युत विभाग तेजी से सीमेंट के खंभे गाड़ रही है। पुराने सड़े-गले नंगे बिजली के तारों को हटाकर विद्युत विभाग केबल तार से बिजली सप्लाई करने पर तेजी से काम कर रही है।

इस काम से अव्यवस्थित जंजाल तारों से तो मुक्ति मिलेगी, साथ ही बिजली चोरी पर भी लगाम लगाया जा सकेगा। बिजली तार बिछाने और खंभा गाड़ने का काम दो कंपनियों के जिम्मे में है। फिलहाल गर्मी से पहले पूरे काम को फाइनल किया जाना है।

साहिबगंज में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित होने के बाद छात्रों में खुशी की लहर

साहिबगंज, एजेंसी। झारखंड सरकार ने साहिबगंज को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी है. सोमवार को बजट सत्र के दौरान साहिबगंज सहित तीन जिलों में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित हुआ है. इसकी जानकारी मिलते ही जिले के छात्रों और शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई. जिले में एक दशक से ऊपर से विश्वविद्यालय खोलने की मांग उठ रही थी. वहीं इस निर्णय पर साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य एसआरआई रिजवी, प्रो. अनुप कुमार साह, प्रो. सिदाम सिंह मुंडा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. राजीव कुमार सिंह, प्रो. मनोज गुप्ता, प्रो. संजीव कुमार सिंह व विद्यार्थियों में पुष्पा भारती, अखिलेश, स्वीटी, नेहा, मुनमुन कुमारी, प्रीती यादव, तमन्ना प्रवीण, दीप्ति यादव ने झारखंड सरकार का आभार प्रकट किया है.

छात्रों ने सरकार का जताया आभार: विद्यार्थियों ने कहा कि छात्र हित में सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है. आर्थिक और शैक्षणिक स्तर से पिछड़े साहिबगंज जिले के युवाओं को राजकीय विश्वविद्यालय बनने से काफी लाभ मिलेगा. गरीब छात्र भी अपने शहर में रहकर मनपसंद की विषयों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. अब पीजी के बाद पीएचडी के लिए दुमका, भागलुपर और कटिहार जाना नहीं पड़ेगा. बीसीए के छात्र चैतन्य कुमार ठाकुर ने कहा कि साहिबगंज जिला में राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना का फैसला लिया गया है. इसके लिए झारखंड सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं. सरकार का यह कदम हम छात्रों के लिए वरदान साबित होगा. आने वाले समय में विश्वविद्यालय खुलता है तो साहिबगंज के छात्रों को काफी लाभ मिलेगा. साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य एसआरआई रिजवी ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बजट सत्र में राजकीय विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित हुआ है. यह खुशी की बात है. राजकीय विश्वविद्यालय खुलने से यहां के गरीब बच्चों को काफी फायदा मिलेगा।

नक्सल के बुलेट पर भारी पड़ा किसानों का हल, खेती ने रचा इतिहास

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड की धरती पर जब किसान का हल चला तो नक्सलियों की बंदूकों की आवाजें फीकी पड़ गईं. एक ऐसा गांव, जो कभी लाल आतंक के साए में जीता था, आज खेती-किसानी के दम पर अपनी नई पहचान बना चुका है. हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड का नवादा गांव, जो कभी हार्डकोर नक्सलियों के लिए सेफ जोन हुआ करता था, आज किसानों की मेहनत के दम पर खेती का सेंटर बन गया है.

झारखंड का हजारीबाग एक ऐसा जिला जो कभी घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था. यहां सीआरपीएफ की भी तैनाती की गई. सरकारी योजना के धरातल पर आने के कारण, नक्सली क्षेत्र से दूर होते चले गए. अब इस जिले ने नक्सल से मुक्त क्षेत्र के रूप में पहचान बनायी है. क्षेत्र में किसान का हल कुछ इस कदर चला कि धरती सोना उगलने लगी. किसान अपनी कड़ी मेहनत से कटकमसांडी क्षेत्र में रोजगार सृजन करने वाले बन गए. कटकमसांडी का नवादा गांव जहां नक्सलियों की हुकूमत चला करती थी. नक्सली जन अदालत लगाते थे, घनघोर जंगल होने के कारण यह उनका आश्रय स्थल बन गया था. यही कारण था कि दिन में भी आम जनता इस गांव नहीं जाती थी. जब यहां किसान का हल चला तो क्षेत्र में ऐसी रौनक लौटी कि शहर और महानगर से व्यापारी भी गांव पहुंचने लगे. गांव, सब्जी उत्पादन के लिए पूरे राज्य भर में जाना जाने लगा.

अब कई प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं

टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च और अन्य फसलें यहां बहुतायत में उगाई जाती हैं. पहले भी यहां खेती होती थी, लेकिन अब खेती का स्वरूप बदल गया है और व्यावसायिक खेती ने जगह बना लिया है. गांव के ही युवा किसान चंदन कुमार मेहता बताते हैं कि लगभग दो दशक पहले तक नवादा गांव नक्सली गतिविधियों के लिए चर्चित था. जैसे ही सरकार ने नक्सलियों पर शिकंजा कसा, किसानों ने भी खेती को अपना हथियार बना लिया. खेती का यह हथियार इतना मजबूत साबित हुआ कि उसने बंदूकों के खौफ को पूरी तरह मिटा दिया.

आज गांव के किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक और व्यावसायिक खेती कर रहे हैं. यहां पर 2000 एकड़ से अधिक भूमि पर फसलें लहलहाती हैं. कई दूसरे गांवों के किसान भी नवादा आकर लीज पर जमीन लेकर खेती कर रहे हैं.

लोगों को मिल रहा है रोजगार

नवादा गांव में खेती से जुड़े 15 से अधिक बड़े प्लांट स्थापित हैं, जहां रोजाना 30-40 लोगों को रोजगार मिल रहा है. किसान यहां पर सब्जियों के साथ-साथ हाईब्रिड खेती भी कर रहे हैं. दूर-दूर के व्यापारी यहां आकर फसलों की अच्छी कीमत देकर खरीदारी करते हैं. शिक्षा के प्रसार ने गांव के विकास की रफ्तार को और भी तेज किया है. जैसे-जैसे नक्सली गतिविधियां कम हुईं, गांव के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ती चली गयी. बेहतर शिक्षा के कारण युवा गलत रास्तों पर नहीं भटके और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए खेती में जुट गए. इस बदलाव से गांव में आर्थिक खुशहाली आई और लोगों का जीवन स्तर भी सुधरा.

सुभाषितम्

बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है। - शंकराचार्य

क्रिप्टो करेंसी डुबाएगी दुनिया की अर्थव्यवस्था

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के समय घोषणा की थी- क्रिप्टो स्ट्रैटेजिक रिजर्व स्थापित करेंगे। इसमें दुनिया भर में जितने भी क्रिप्टो करेंसी के प्लेटफार्म हैं, उन्हें शामिल किया जाएगा। क्रिप्टो रिजर्व में बिटकॉइन, एथेरियम, एक्सआरपी सोलना और एडीए क्रिप्टो करेंसी शामिल हैं। अमेरिका के इस फैसले से दुनिया भर में डॉलर और शेयर बाजार मे इसका असर देखने को मिलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए डिजिटल करेंसी को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया है। आर्थिक मंदी से निपटने के लिए उन्होंने इसे एक विकल्प बताना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है, इससे डॉलर की स्थिरता बढ़ेगी। बडबोले ट्रंप ने कहा, वह अमेरिका को क्रिप्टो राजधानी बनाकर रहेंगे। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में क्रिप्टो करेंसी का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। सोलना का प्लेटफार्म ट्रम्प द्वारा शुरू की गई ट्रंप कॉइन सहित अन्य क्रिप्टो करेंसी को संचालित करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय के बाद क्रिप्टो करेंसी में लगभग 62 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। ट्रंप के निदेर्शानुसार अमेरिका की ट्रेजरीएक्सचेंज स्थिरीकरण के लिए मानदंड तैयार कर रही है। इसके जरिए क्रिप्टो करेंसी के रिजर्व और डॉलर रिजर्व के बीच में संतुलन बनाने की बात कही जा रही है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद कारडोनों क्रिप्टो करेंसी में 62 फीसदी का उछाल आया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रिप्टो करेंसी का जो खेल, खेल रहे हैं इसका असर दुनिया भर के शेयर बाजारों पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसके अलावा डॉलर मुद्रा जो अभी तक वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा थी, उस पर भी विपरीत असर पड़ना तय माना जा रहा है। ट्रम्प क्रिप्टो करेंसी को वैश्विक कारोबार के लिए डॉलर के समानांतर खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। क्रिप्टो करेंसी से वैश्विक कारोबार करने की बात कही जा रही है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसको देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका से ज्यादा अपने निजी कारोबारी हितों को ध्यान में रखते हुए क्रिप्टो करेंसी को बढ़ावा देने की शुरूआत की है। ट्रंप का यह आखिरी कार्यकाल है। इसका वह भरपूर फायदा उठा लेना चाहते हैं। राष्ट्रपति बनने के पहले ट्रंप ने, ट्रंप कॉइन को बाजार में लॉन्च किया है। इसके माध्यम से उन्होंने काफी पैसा जमा कर लिया है। अभी तक वैश्विक मुद्रा के रूप में डॉलर की मान्यता थी। डोनाल्ड ट्रंप अब डिजिटल करेंसी को बढ़ावा दे रहे हैं। इस व्यवस्था को अभी दुनिया के देशों ने स्वीकार नहीं किया है। डॉलर और अन्य देशों की जो मुद्रा है, वह उन देशों के सोने के भंडार विदेशी मुद्रा और अन्य अंतरराष्ट्रीय मानदंड से तय होती है। क्रिप्टो करेंसी डिजिटल मुद्रा है, जिसका भगवान ही मालिक है। क्रिप्टो करेंसी का मूल्य शेयर बाजार की तरह खरीद और बिक्री के आधार पर तय होता है। शेयर का वास्तविक मूल्य 10 रुपए होता है। कंपनी अपने प्रीमियम को जोड़कर कई गुना महंगे दामों पर निवेशकों को शेयर बेचती है। वहीं शेयर दुनिया भर के शेयर बाजारों में वास्तविक मूल्य और प्रीमियम मूल्य से कई गुना ज्यादा मूल्य पर मांग और आपूर्ति के आधार पर कारोबार करता है। शेयर बाजार में जिस तरह से धारणा के आधार पर सट्टेबाजी होती है, वही स्थिति क्रिप्टो करेंसी की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से स्वर्ण युग की कल्पना को साकार करना चाहते हैं। दुनिया भर में इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक इवेंट माना जा रहा है। क्रिप्टो करेंसी को बढ़ावा देने पर नैतिकता तथा वास्तविक स्वरूप और भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर बढ़ना तय माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीधे हित क्रिप्टो करेंसी से जुडे रहने के कारण क्रिप्टो करेंसी विवादों में है। वर्तमान में इसका असर शेयर बाजारों में पड़ना तय है। वैश्विक कारोबार में अभी तक डॉलर का दबदबा है। क्रिप्टो करेंसी को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता मिलती है, ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा खतरा डॉलर मुद्रा पर पड़ना तय माना जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिकी राज्यों एवं यूरोप के देशों में बड़े पैमाने पर होना शुरू हो गया है। ट्रंप जिस तरह से रूस और चीन के साथ अपने संबंधों को बढ़ा रहे हैं। उसके पीछे क्रिप्टो करेंसी को चीन और रूस की मान्यता दिलाना है।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया।समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई।

धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है।

बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

पति पत्नी बिगड़ते रिश्ते जिम्मेदारी किसकी

संजय गोस्वामी

आज कल अगसर देखने को मिल रहा स्त्री और पुरुष में रिश्ते बनने के बजाय बिगड़ रहे है हाल ही में इसके कई उदाहरण भी सामने आए हैं जैसे 9 दिसंबर की रात को 34 वर्षीय भारतीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। उसके शव के पास एक तख्ती लगी थी जिस पर लिखा था न्याय मिलना चाहिए। अतुल सुभाष ने 24 पन्नों का विस्तृत सुसाइड नोट और 81 मिनट का एक वीडियो छोड़ा जिसमें उन्होंने अपनी शादी और तलाक की कार्यवाही में आई परेशानियों को जिम्मेदार ठहराया। उनके जीवन के बारे में परेशान करने वाले विवरण वाले पत्र और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और लोगों में आक्रोश फैल गया। दक्षिणी शहर बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां और भाई पर लगातार उत्पीड़न और यातना देने का आरोप लगाया इसमें गलती किसकी है ऐ तो न्यायालय में होगा लेकिन जो दुनिया से चला गया वो बापस तो नहीं आएगा ऐ पत्नी को समझना चाहिए उसे कैसे ढाले मेरा हर एक लेख आपसी झगड़े के लिए नहीं बल्कि आपको सही सलाह देने के लिए होता है एक और केस अतुल सुभाष जैसा पुनः सुर्खियों में है दरअसलयूपी में एक बार फिर अतुल सुभाष जैसा मामला सामने आया है।कुछ दिन पहले मल्टीनेशनल कंपनी टीसीएस के एक मैनेजर ने पत्नी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला और उसमें रोते हुए अपना सारा दर्द बयां किया। टीसीएस मैनेजर मानव शर्मा ने आत्महत्या से पहले बनाई वीडियो में खुलासा किया कि वो पत्नी के उत्पीड़न से परेशान हैं और शादी से पहले पत्नी का किसी और से सम्बन्ध था और तलाक चाहता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ इधर पत्नी का कहना है कि पहले दूसरे से प्रेम था लेकिब शादी के बाद नहीं सुसाइड के समय साथ ही उसने मांग की कि कानून पुरुषों को भी सुरक्षा दे। मानव शर्मा ने गले में फंदा लगाकर वीडियो बनाया और कहा कि उनके माता-पिता को कोई परेशान न करे।देखिये शादी बड़ा सोच समझ कर करिये ये जीवन का सौदा होने जा रहा सच्चाई शादी से पहले बताना चाहिए कोई जरुरी नहीं है कि रिश्ता बड़े घर में हो लेकिन ऐ जरुरी है कि विचारों में मतभेद ना हो ऐ आपस में मिसअंडरस्टैंडिंग के वजह से होता शादी एक ऐसा बंधन है जो जीवन भर साथ रहने को होता है अतः पारदर्शिता जरुरी है ऐ हो क्यों रहा है इसकी सबसे बड़ी आज का संगत, जैसी संगत वैसी रंगत भगवान राम के मंदिर या महाकुम्भ जाने से ऐ समस्या दूर नहीं होगी हमें हमेशा एक दूसरे की सहायता करने की जरुरत है आप कभी भी निराश होकर आप आत्महत्या का कदम मत उठाना नहीं तो ऐ शरीर जो परमात्मा का दिया है वैसे ही खो बैठोगे पाने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है त्याग और संघर्ष में ही आप कुछ बनकर निकलते हो कभी अपना दुःख दूसरे को नहीं सुनाये काम पर ध्यान दें क्योंकि आज खुद ही आदमी इतना दुःखी है कि दूसरों का दुःख से कोई मतलब नहीं है नहीं यकीन है जैसे अंदरूनी कलह की वजह से पार्टी में टूट हुआ और नतीजा आपके सामने आया जब भी अपने घर के अंदर असंतोष होता है तो आपका ही परिवार बिखड़ जाता है नुकसान दूसरों का नहीं आपका होता है वैसे ही परिवार में रिश्ता होता है जिसमें बाहरी सफाई से ज्यादा जरुरी है अंदर की सफाई और ऐ समझदारी और शांति से विवेक से होगा मुझे माता पिताजी से शादी से पहले अच्छा लगाव था पिताजी ने शादी के लिए बात की लड़की के पिताजी आए बड़े अच्छे स्वाभाव के थे कुछ रूपए दिए और हुआ क्या मैं लड़की देखने नहीं जा रहा था बाद में मैं सोचा कि उनके पिता जी आए थे और आने का प्रस्ताव दिए है और दादाजी ने भी बताया कि ठीक से देख लेना नाक लम्बाई ठीक होना चाहिए इसलिए लड़की देखने चला गया वहाँ खुब खातिर हुई मेरे भाई ने सवाल पूछ दिया लेकिन मुझे मालूम था यह विज्ञान उसके बस का नहीं है किसी मुद्दे पर बात अटक गई क्योंकि मेरी भी बहने थी और उसकी शादी भी जरुरी थी लेकिन इन सब को देखते हुए इस हेतु मैंने बहुत कोशिश कर पिता जी को बताया उसमें एक गलती हो गई कि मैंने फोन न लें लिया उस समय मोबाइल नहीं था और एसटीडी का बिल खूब आता था लेकिब दिमाग कैसे उस जवानी में घुम गया पता ही नहीं चला, जब तक आप बेरोजगार रहते हैं तो आपको बहुत साधारण या गरीब लड़की मिल जाती है लेकिन जब कोई अच्छी नौकरी मिल जाती है तो लड़की वाले का आना जाना और बड़े घर से रिश्ते का ऑफर आता है आप गलती ऐ करते हैं आज की दुनिया में ब्यूटी पार्लर की सजावट और उसकी बातें सुनकर आप दिल दे देते हैं और इसमें परिवार की भी जिम्मेदारी कोई बिना राममचरित्र मानस को पढ़े और रामभक्त होने का ढोंग दिखाए तो उसको परखना आपका काम है गाँव की लड़कियां कम पढ़ी लिखी जरूर है माँ बाप गरीब होते हैं लेकिन उनमें अच्छे संस्कार पाए गए हैं जैसे पुरुष या तो मेहनत कर फसल उगाता और महिला उसकी मदद करती यदि पुरुष कमाने बाहर निकलता तो उसकी पत्नी सास ससुर की सेवा करती वहाँ उसका पति 4व्यक्ति के साथ में रहकर कैसे भी पैसा कमाता और 1-2महीने गाँव में पत्नी से मिलने चला जाता और पत्नी उसकी सेवा करते पायी गई है आप यदि खेल में रूचि रखते हैं फिल्मों में रूचि रखते हैं होटलो और क्लबो में रूचि रखते हैं तो यह जरुरी नहीं की पत्नी को भी उसमें रूचि हो ना रखते हैं और पत्नी रूचि रखती है तो मना करने से आपस में कलह बढ़ती है और किसी दूसरे के बहकावे में ना आए अपने विवेक से आगे बढ़े यदि दो कदम पाने के लिए 4कदम पीछे हटना पड़े तो रिश्ते में हट जाइए और अंदर के अहंकार को खत्म कर शांति से काम ले लड़ाई झगड़ा से समस्या और बढ़ती है अतः इससे दूर होकर मौन हो जाये दूसरे के बहकावे में कभी ना आएं ऐ आपका घर बर्बाद कर आपकी जिंदगी से खुशी जो आप सही समझ रहें है वो नश्वर है ईश्वर सत्य है औ? किसी जाति धर्म से नहीं बंधा है,छीन लेगा शांति और समझदारी से रिश्ते मजबूत होते हैं पति को या तो पत्नी को समझा कर मौका दे और पुराने बातों को ध्यान ना दें यदि आप बिसनेस करते हैं तो नौकरी वाले के चक्कर में नहीं पड़े अच्छा अध्यात्मिक ज्ञान है तो उसी विचार की पत्नी मिले तो अच्छा होगा यदि राइटर हैं तो उसकी पसंद भी यही हो तो अच्छा होगा नहीं तो शादी के बाद आपस में तकरार होगा ऐ बात लड़की और लड़के के माता पिता को भी समझनी चाहिए हर कुछ पैसा नहीं होता विचारों का मिलना भी जरुरी है।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है। प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है।

अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए।

दोस्त तो चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं: भारत-पाक के बीच बातचीत चलती रहना चाहिए

एल.एस. हरदेनिया

आप अपना दोस्त चुन सकते हैं परन्तु पड़ोसी तो स्वभाविक ही होता है। अटल बिहारी वाजपेयी के इन शब्दों को याद करते हुए दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई। इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के अनेक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। जिन लोगों ने इस बातचीत में भाग लिया उनमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और अनेक प्रमुख व्यक्ति शामिल थे। इन सब प्रमुख व्यक्तियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत फिर से शुरू की जाए। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण किताब का विमोचन भी किया गया। किताब का शीर्षक था शांति की खोज और भारत और पाकिस्तान के रिश्ते। इस किताब में 52 लेख शामिल हैं, जो दोनों देशों के अनेक विद्वानों ने लिखे हैं। इन विद्वानों में कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ, नेता और चिंतक शामिल हैं। इन सारे लेखों में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत चलती रहनी चाहिए। इस किताब का विमोचन पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने किया। अपने भाषण में अंसारी ने कहा कि ये दोनों देश भारत और पाकिस्तान, एक तरह के एक्सीडेंट से बने हैं। ये ऐसे देश नहीं हैं जिनका कोई लंबा इतिहास हो। ये सिर्फ दुर्घटनावश बने थे। अंसारी के बाद अनेक नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए। सबने इस बात पर जोर दिया कि हर हालत में भारत और पाकिस्तान के बीच में बातचीत चलती रहनी चाहिए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि सबसे बड़ी जरूरत यह है कि हम एक-दूसरे से घृणा करना बंद कर दें। हम एक थे और अब एक नहीं हैं। हमें घृणा ने विभाजित कर दिया, घृणा ने ही हमें भारत और पाकिस्तान बना दिया। फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचार को उद्धत करते हुए कहा कि हम दोस्त चुन सकते हैं पर पड़ोसी नहीं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी ने कहा कि हमें ऐसी आवाजें सुनना चाहिए जो शान्ति की हों और जो दोस्ती की हों। जिलानी पाकिस्तान के विदेश सचिव तो रहे ही वे कुछ समय के लिए वहां के विदेश मंत्री भी रहे। उन्होंने उन मुद्दों का उल्लेख किया जो भारत और पाकिस्तान की दोस्ती के रोड़े हैं। उन्होंने भी वाजपेयी जी के वर्ष 2003 में दिए गए एक भाषण का उल्लेख किया। वाजपेयी जी ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान की दोस्ती इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत पर आधारित है। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री जावेद जब्बार ने भी इस बात पर जोर दिया कि भले ही बंदूकें चलती रहें, तोपों से गोले बरसते रहें परन्तु बातचीत होती रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज आलम ने कहा कि सार्क देशों के बीच बातचीत फिर से चालू होनी चाहिए। ये बातचीत किसी ऐसे देश में होनी चाहिए जिनके भारत और पाकिस्तान से दोस्ताना संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अभी हाल में पाकिस्तान अपनी किक्रेट टीम भेजने ने इंकार कर दिया था। यह एक दुखद घटना है। बाद में दोनों देशों की टीमें दुबई में खेलीं। ऐसा नहीं होना चाहिए। कुल मिलाकर इन दोनों देशों के नेताओं, चिंतकों की यह बातचीत दोनों देशों की दोस्ती में मील का पत्थर साबित होगी।

आज का राशिफल

- **मेष** – दिन बहुत अच्छा है। आप जमीन-जायदाद के मामले में कोई डील करेंगे तो उसमें आपको लाभ होगा।
- **तुला** – आज दिन फायदेमंद रहेगा। पढ़ाई-लिखाई के क्षेत्र में किए गए बदलाव फायदेमंद रहेंगे।
- **वृषभ** – आज दिन कामयाबी भरा रहेगा। बिजनस के मामले में आपके सारे प्लान सफल होंगे।
- **वृश्चिक** – आमदनी से अधिक खर्च होगा। बच्चों के अच्छे काम से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।
- **मिथुन** – आज हर काम सोच-समझकर करना चाहिए। किसी भी तरह के झगड़े से दूर रहें।
- **धनु** – करियर में फायदा होगा। विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। मेहनत से आपकी इच्छाएं पूरी होगी।
- **कर्क** – दिक्कतों और विरोध का सामना करना पड़ सकता है। बेहतर होगा कि आप अपने स्वभाव पर ध्यान दें।
- **मकर** – आज धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में आपके लिए शुभ योग हैं। भाग्य साथ देगा।
- **सिंह** – आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा और आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा।
- **कुंभ** – आपकी तरक्की होने से मन काफी प्रसन्न होगा। कमाई बढ़ाने के आपके प्रयास सफल रहेंगे।
- **कन्या** – आज दिन किस्मत के लिहाज से बहुत अच्छा है। आपकी परेशानियां दूर होंगी।
- **मीन** – आज दिन फायदे का है। आपकी संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा।

विशेष

योगी आदित्यनाथ और गुजरात की लाबी

महाकुंभ समाप्त होने के बाद ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में परिवर्तन की बात सामने आने लगी है। जल्द ही उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार होगा। संगठन का चुनाव पूरा किया जाएगा। मंत्री बनने के लिए विधायकों में होड़ शुरू हो गई है। 75 साल पूरे कर चुके मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों को मार्गदर्शक मंडल में भेजने की तैयारी शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के पद पर किसी ब्राह्मण को बिठाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसमें दिल्ली की कितनी चलेगी, कितनी योगी आदित्यनाथ की चलेगी। इसको लेकर संशय बना हुआ है। महाकुंभ के बाद योगी हिंदू हृदय सम्राट हो गए हैं। उन्होंने मोदी को पीछे छोड़ दिया है। निश्चित रूप से योगी का पावर बढ़ा है। गुजराती लाबी के सामने योगी पावरफुल रहेंगे, या नहीं। कुछ ही दिनों में यह देखने को मिल जाएगा।

भागवत नितीश बाबू और चंद्रबाबू नायडू गैर सनातनी हिन्दू

भाजपा के अधिकृत ट्विटर हैंडल से जो लोग महाकुंभ का स्नान करने नहीं गए थे। उन्हें गैर सनातनी हिंदू बताकर हमला किया जा रहा है।राहुल गांधी सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा को ईसाई बताकर उन पर हमला किया गया। इसके बाद सोशल मीडिया में हंगामा मच गया। बिहार के मुख्यमंत्री नितीश बाबू,आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और संघ प्रमुख मोहन भागवत भी महाकुंभ का स्नान करने नहीं पहुंचे। सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, क्या यह गैर सनातनी हिंदू है।

कार्टून कोना

महाकुंभ समापन के बाद भी संगम स्नान का सिलसिला जारी

आज का इतिहास

1699 अहायाज जयरसिंह द्वितीय गद्दी पर 1770 बोस्टन जनसंहार के बाद अमरीकी आजादी की लड़ाई में तेजी आई. 1794 पोलैंड में विद्रोह की शुरूआत हुई. 1783 भारत में प्रशासनिक सुधार के लिए फाक्स का इंडिया विधेयक ब्रिटिश संसद में पेश किया गया लेकिन पारित नहीं हो सका. 1854 भारतीय भूगर्भ सर्वे की स्थापना हुई . 1937 गांधी इर्विन समझौते के तहत गांधीजी ने अपना सिविल नाफरमानी आंदोलन स्थगित कर दिया. 1933 जर्मनी के चुनावों में एडोल्फ हिटलर की पार्टी को भारी सफलता मिली. 1960 राष्ट्रपति सुकर्ण ने इंडोनेशिया की संसद को निलंबित कर दिया. 1962 उग्रवादियों ने अल्जीरिया की एक जेल पर हमला कर अनेक राजनीतिक बंदियों की हत्या की. 1966 ब्रिटिश विमान जापान में फुजी की पहाड़ियों से टकरा गया जिससे सभी 24 लोग मारे गए. 1970 परमाणु अप्रसार संधि 43 देशों की पुष्टि के बाद प्रभावी हुआ. 1974 इथोपिया नरेश हेल सिलासी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू करने पर सहमत हुए थे.

दैनिक पंचांग

5 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.50 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	08.21 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.01 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.59 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.13 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.29 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.41 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.51 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.06 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	01.22 बजे से
		मकर	03.27 बजे से
		कुंभ	05.14 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 64 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 12.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 23.07 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 12.52 बजे तदनन्तर गर 23.48 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 02' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872274 **जूलियन दिन** 2460739.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 04 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कोलकाता में है दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़

भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

आपने आजतक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए इंसान को ही देखा होगा, या तो वो अपनी फिटनेस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे हैं या फिर अपनी कला की वजह से उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए देखा जा रहा है, कुछ ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र को लेकर भी वर्ल्ड रिकॉर्ड बने हैं। लेकिन भारत में इंसान नहीं बल्कि एक पेड़ भी अपनी उम्र की वजह से वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। जी हां, कोलकाता द आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में बरगद का पेड़ है, जो 250 साल पुराना है। इस पेड़ को दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद के पेड़ के रूप में जाना जाता है।

कब लगाया गया था ये पेड़

ये विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बॉटनिकल गार्डेन में स्थित है। 1787 में इस पेड़ को यही स्थापित किया गया था। उस दौरान इसकी उम्र करीबन 20 साल थी। पेड़ की इतनी जड़ें और बड़ी-बड़ी शाखाएं हैं, जिसकी वजह से ये हर किसी को देखने में ऐसा लगता है, जैसे कोई जंगल में आ गया हो। इस देखकर आप अंदाजा नहीं लगा सकते कि ये सिर्फ पेड़ है।

इस एक पेड़ पर पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियां

14,500 वर्ग मीटर में फैला ये पेड़ करीबन 24 मीटर ऊंचा है। इसकी 3 हजार से अधिक जटाएं हैं, जो अब जड़ों में बदल चुकी हैं। इस वजह से भी इसे दुनिया का सबसे चौड़ा पेड़ या वॉकिंग ट्री भी कहते हैं। आपको जानकार शायद हैरानी हो इस पेड़ पर पक्षियों की 80 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं।

तूफान की वजह से जड़ें हो गई थी बीमार

साल 1884 और 1925 में कोलकाता में आए चक्रवाती तूफानों ने बरगद के पेड़ को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस वजह से शाखाओं में फंफूदी लग गई थी, जिस वजह से उन्हें काटना पड़ गया था। आज बॉटनिकल गार्डन में यही एक बड़ा पेड़ है, हालांकि दुनियाभर से लाए गए सैकड़ों अन्य विदेशी पौधों की प्रजातियां आपको इस पार्क में दिख जाएंगी।

पेड़ की देखरेख के लिए बनाई गई है एक टीम

वर्ष 1987 में भारत सरकार ने इस बड़े से बरगद के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया था। इसे बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह भी मानते हैं। पेड़ की देखरेख 13 लोगों की एक टीम द्वारा की जाती है, जिसमें आपको बॉटनिस्ट से लेकर माली तक हर कोई मिल जाएगा। समय-समय पर इस पेड़ की जांच भी की जाती है, ये देखने के लिए इसे किसी भी तरह का नुकसान तो नहीं पहुंच रहा।

याप द्वीप पर आज भी इस्तेमाल होते हैं पत्थर के सिक्के

इंसान सदियों से करेंसी यानी मुद्रा का इस्तेमाल खरीद-फरोख्त और कारोबार के लिए करता आया है। एक दौर था जब महंगे रत्नों में कारोबार हुआ करता था। लोग मोती, कौड़ियां और दूसरे रत्न देकर चीजें खरीदा करते थे। फिर सिक्कों का चलन शुरू हुआ। सोने-चांदी, तांबे, कांसे और अल्यूमिनियम के सिक्के तमाम साम्राज्यों और सभ्यताओं में ढाले गए। सिक्कों के साथ ही नोटों का चलन भी शुरू हुआ। पर, क्या कभी आपने करेंसी के रूप में बड़े-बड़े पत्थरों के इस्तेमाल की बात सुनी है? नहीं न! तो, चलिए आज आप को ऐसी जगह की सैर पर ले चलते हैं, जहां की करेंसी पत्थर है और सदियों से ऐसा होता आ रहा है।

इसके लिए आप को प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया इलाके में जाना पड़ेगा। यहां पर बहुत छोटे-छोटे जजीरे आबाद हैं। इन्हीं में से एक द्वीप है याप। ये छोटी सी जगह है, जहां कुल मिलाकर 11 हजार लोग रहते हैं। मगर इसकी शोहरत ऐसी है कि 11वीं सदी में मिस्र के एक राजा के हवाले से याप का जिक्र मिलता है। इसी तरह मशहूर यूरोपीय यात्री मार्को पोलो ने तेरहवीं सदी में लिखी अपनी एक किताब में इसका जिक्र किया है। इन दोनों ही मिसालों में कहीं भी याप का नाम नही लिखा है। मगर दोनों साहित्यों में एक ऐसी जगह का जिक्र है, जहां की करेंसी पत्थर हुआ करती थी।

जब आप याप पहुंचेंगे, तो आपका सामना घने जंगलों, दलदले बागों और बेहद पुराने दौर के हालात से होगा। दिन भर में सिर्फ एक फ्लाइट है, जो याप के छोटे से हवाई अड्डे पर उतरती है। हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही आप को कतार से लगे छोटे-बड़े ढले हुए पत्थर दिखेंगे। इनके बीच मे छेद होता है, ताकि इन्हें कहीं लाने-ले जाने में सहूलियत हो। पूरे यप द्वीप पर ऐसे छोटे-बड़े पत्थर जहां-तहां पड़े दिख जाते हैं।

याप द्वीप की मिट्टी दलदली है। यहां चट्टानें नहीं हैं। फिर भी पत्थर की इस करेंसी का चलन यहां सदियों से है। किसी को नहीं पता कि इसकी शुरुआत कब हुई थी। लेकिन, स्थानीय लोग बताते हैं कि आज से सैकड़ों साल पहले याप के बाशिंदे डोंगियों में बैठकर चार सौ किलोमीटर दूर स्थित पलाऊ द्वीप जाया करते थे। वहां से वो चट्टानें काटकर ये पत्थर तराशा करते थे। फिर

इन्हें नावों में लाद कर यहां याप लाया जाता था। इन्हें राई कहा जाता है। पिछली कई सदियों से इन पत्थरों को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। पहले याप के आदिवासी इन पत्थरों को बड़े बेढंगे तरीके से काटकर यहां लाते थे। फिर हथियारों के विकास से पत्थरों को सुघड़ तरीके से ढालकर यहां लाया जाने लगा।

उन्नीसवीं सदी में जब याप पर स्पेन का कब्जा हो गया, तब भी यहां पर पत्थरों से कारोबार थमा नहीं। जब पलाऊ जाने वाले नाविक अपने साथ ढले हुए पत्थर लाते थे, तो वो इन्हें याप के बड़े सरदारों को सौंप देते थे। फिर वो सरदार इन पत्थरों को अपना या अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम देकर लाने वाले को सौंप देते थे। पांच में से दो पत्थर ये सरदार खुद शुरुआत में पत्थरों की कीमत सीपियों की संख्या से तय होती थी क्योंकि पत्थरों से पहले सीपी को करेंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जैसे एक पत्थर के बदले पचास सीपी दी जाती थीं। आज फुटकर करेंसी के तौर पर याप में अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल होता है। लेकिन, इन पत्थरों की याप समाज में अपनी अहमियत बरकरार है। आज हर पत्थर का इतिहास है। उससे जुड़ा कोई न कोई किस्सा है। किसी भी परिवार के पास ये करेंसी होना बहुत सम्मान की बात मानी जाती

है। आज इन पत्थरों की करेंसी का इस्तेमाल रोजाना के लेन-देन में नहीं होता। बल्कि समाज में इसे कभी माफीनामे और कभी शादी-संबंध को मजबूत करने के लिए दिया जाता है। पत्थर के इन सिक्कों का आकार सात सेंटीमीटर से लेकर 3.6 मीटर तक होता है। इन सिक्कों का मोल इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस काम में इस्तेमाल होता है और किसको दिया जाता है। कबीले के सरदार, आने वाली नस्लों को पत्थर के हर सिक्के का इतिहास बताते हैं।

यहां पिछले 200 सालों से पत्थर की इन करेंसी का इतिहास आने वाली नस्लों को जबानी याद कराया जा रहा है। अब पत्थर के इन सिक्कों को एक म्यूजियम में रखा गया है। जहां टूटे-फूटे पत्थर की इन करेंसी का भी इतिहास दर्ज किया गया है। ये किस गांव के हैं, इनका किस परिवार से नाता है।

अब भी कुछ नए पत्थर के सिक्के ढाले जा रहे हैं। मगर अब इनकी तादाद बहुत कम हो गई है। दिलचस्प बात ये है कि इन बहुमूल्य सिक्कों को चुराए जाने का डर नहीं है। जैसा कि नोटों या सिक्कों के साथ हो सकता है। ये इतने बड़े हैं और सब को इनके बारे में मालूम है, तो कोई इन्हें चुराकर ले भी कहां जा सकता है। आज पत्थर की ये करेंसी पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत के तौर पर नई नस्ल को सौंपी जा रही है।

पर्यावरण प्रेमी चिड़िया मोरगला पतेना

पर्यावरण प्रेमी मोरगला पतेना या वर्डिंटर फ्लाईकैचर उन पंछियों में से एक हैं जो पूरे भारत-वर्ष में पाई जाती हैं। ये पंछी हर साल सर्दियों में हिमालय की गोद से निकल कर दक्षिण भारत चले जाते हैं और फिर गर्मियां आते ही लौट आते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें।

ऊंची डाली पर ही बैठती है

गहरे नीले रंग के पंखों से लदी यह चिड़िया अक्सर हवा में उड़ती हुई नीली गेंद की तरह प्रतीत होती है। आंख के पास काले भाग और स्लेटी-वेंट को छोड़कर, वयस्क नर पक्षी का शरीर गहरे नीले रंग का होता है। अक्सर यह पंछी ऊंची डाली और पेड़ की शीर्ष शाखाओं पर बैठे हुए दिख जाते हैं।

भारत में बसना है पसंद

शीत ऋतु के शुरू होते ही यह पंछी भारत के उत्तरी इलाकों से निकल कर दक्षिण की और रवाना हो जाते हैं। उत्तर में दिल्ली, पंजाब से लेकर, दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, गुजरात से बंगाल तक सब जगह इस पछी को देखा जा चुका है। इनके खूबसूरत नीले रंगों का हर एक प्रकृति प्रेमी दीवाना है। यह कप के आकार का घोंसला बनाते हैं और इनके अंडों का रंग सफेद होता है, जिनके कुंद-अंत पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। मादा पंछी एक बार में 3 से 5 अंडे तक दे सकती है।

खुराक में खाते हैं कीड़े-मकोड़े

पक्षी की कीड़े-मकोडे इनकी खुराक का मुख्य हिस्सा होते हैं। ये पंछी अक्सर उड़ते हुए कीड़े-इत्यादि को हवा में ही पकड़ कर खाते हैं। इस प्रजाति की संख्या काफी ज्यादा हैं. जिसकी वजह से इस प्रजाति को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) लाल सूची के अनुसार खतरे से बाहर वाली श्रेणी में रखा गया है। इनकी औसत उम्र 9 साल तक हो सकती हैं।

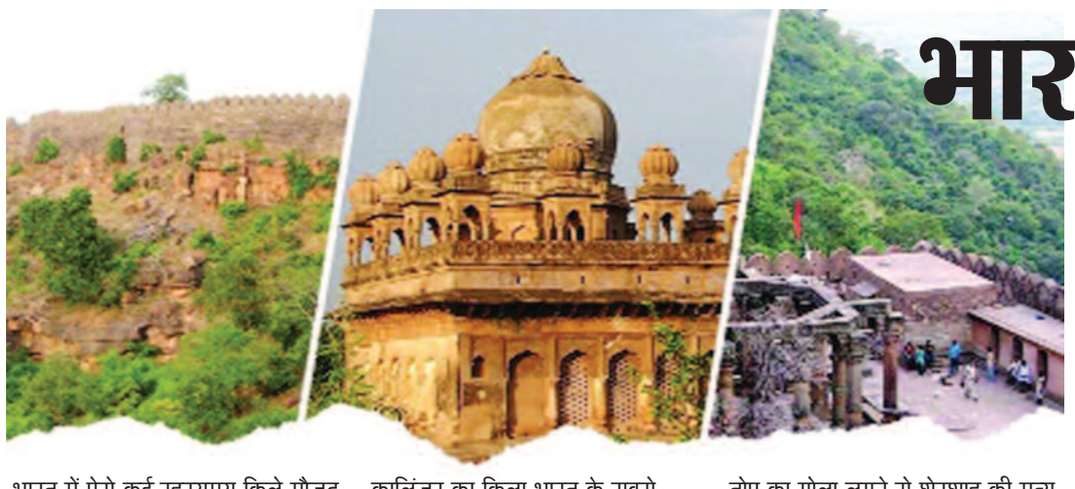

भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुंदेलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुंदेलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं। इन गुफाओं के रास्तों की शुरुआत तो किले से ही जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

गौतम अडानी का कर्ज अपने सिर लेगा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक और सबसे सफल हेज फंड्स में से एक सिटाडेल ने गौतम अडानी के कर्ज को खरीदने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक यह बातचीत 750 मिलियन डॉलर के कर्ज को खरीदने के लिए है जिसे अडानी ग्रुप रिफाइनेंस करना चाहता है। अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे अडानी के लिए यह डील एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। इसकी वजह ब्लैकरॉक .10 ट्रिलियन से ज्यादा एसेट मैनेज करती है। भारत में ब्लैकरॉक ने टाटा मोटर्स और रिलायंस जियो की फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ साझेदारी की है।

2022 में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से 750 मिलियन डॉलर के सीनियर सिक्योर्ड प्राइवेट प्लेसमेंट नोट्स खरीदे थे। एमआइएएल, अडानी की एक कंपनी है, जो मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा को ऑपरेट करती है। एमआइएएल का ज्यादातर हिस्सा अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के पास है, जो अडानी एंटरप्राइजेज की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

अडानी का एयरपोर्ट बिजनस– इस सात साल के कर्ज की शर्तें और कीमत अप्रैल–मई 2025 के बाद सख्त हो जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप इस कर्ज को रिफाइनेंस करना चाहता है। इसके अलावा अडानी ग्रुप कई हवाई अड्डों के अपग्रेडेशन और एक्सटेंशन के लिए एएएचएल में 750 मिलियन डॉलर और जुटाना चाहता है।

अमेरिका की टैरिफ वॉर पर ड्रैगन का पलटवार

बीजिंग एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से छेड़े गए टैरिफ वार पर चीन ने पलटवार किया। चीन ने मंगलवार को चिकन, पोर्क (सुअर का मांस), सोया और बीफ (गोमांस) सहित प्रमुख अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर 15 फीसदी तक का अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा घोषित शुल्क 10 मार्च से प्रभावी होंगे। शुल्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

की ओर से चीनी उत्पादों के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 20 फीसदी करने के आदेश के बाद लागू किए गए हैं। ये शुल्क मंगलवार से प्रभावी हो गए हैं। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में उगाए गए चिकन, गेहूं, मक्का और कपास के आयात पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा। ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ, समुद्री भोजन, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर शुल्क 10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। इससे पहले ट्रंप ने फरवरी में चीन से आयात पर 10 फीसदी शुल्क लगाया था। उन्होंने सोमवार को फिर से जोर दिया कि मंगलवार को यह दर दोगुनी होकर 20 प्रतिशत हो जाएगी।

रक्षा मंत्रालय से मिला 239 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 9138.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, कंपनी ने मंगलवार, 4 मार्च को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय से 239 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। डील के तहत, सोलर डिफेंस और एयरोस्पेस एक साल के भीतर मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड डिस्ट्रिब्यूट करेगा।

क्या है डिटेल

यह डील देश की सुरक्षा क्षमताओं में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई पर फोकस है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड हाई क्वालिटी वाले डिफेंस प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में सक्रिय है। बता दें कि इसस पहले 28 फरवरी को, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया ने ऐलान किया था कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनी के साथ डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई के लिए 2,150 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा दिए गए ये ऑर्डर अगले छह सालों में पूरे होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी के प्रबंधन ने यह भी कहा कि घरेलू बाजार में मंदी के कारण वह एफवाय25 के लिए पहले निर्धारित 30 प्रतिशत रेवेन्यू बढ़ोतरी टारगेट को पूरा नहीं कर पाएगी।

टाटा की कंपनी का आ रहा मोस्ट अवेटेड आईपीओ, इस साल का होगा सबसे बड़ा इश्यू!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी का एक और आईपीओ इस साल निवेश के लिए लॉन्च हो सकता है। टाटा समूह के मोस्ट अवेटेड आईपीओ चर्चा में हैं। बहुत जल्द निवेशक बहुत जल्द पैसे लगा सकेंगे। हम बात कर रहे हैं– टाटा कैपिटल के आईपीओ की। खबर है कि टाटा समूह अपनी फाइनेंस सर्विस यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर की वैल्यूएशन रख सकता है। यह इस साल भारत की सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी टीवी 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा समूह अपनी वित्तीय सेवा यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर के मूल्यांकन की मांग कर रहा है, जो इस साल भारत की सबसे बड़ी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश हो सकती है। टाटा कैपिटल लिमिटेड का आईपीओ 2 अरब डॉलर तक जुटा सकता है। हालांकि, टाटा के प्रतिनिधियों ने इस पर कुछ कहने से इनकार कर दिया है। बता दें कि टाटा कैपिटल के बोर्ड ने पिछले हफ्ते मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी की बिक्री के प्रस्ताव के साथ–साथ 230 मिलियन शेयरों की लिस्टिंग को मंजूरी दी थी। इसने 15.04 बिलियन रुपये (172 मिलियन डॉलर) के राइट्स इश्यू की भी घोषणा की।

कंपनी का कारोबार– बता दें कि टाटा कैपिटल एक गैर–बैंक वित्तीय संस्थान है। ये तथाकथित बैंक आम तौर पर उन ग्राहकों को कर्ज जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं जिनकी पारंपरिक बैंकिंग तक सीमित या कोई पहुंच नहीं है। मुंबई स्थित टाटा कैपिटल की वेबसाइट के अनुसार, पूरे भारत में 900 से अधिक शाखाएं हैं।

अस्थिरता के बावजूद देश में नौ महीने में आया 27 फीसदी अधिक एफडीआई

अक्तूबर-दिसंबर में 5.6 फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़कर 40.67 अरब डॉलर पहुंच गया। 2023-24 की समान अवधि में देश में 32 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) में सिर्फ 10.9 अरब डॉलर का एफडीआई आया। यह 2023-24 की समान अवधि के 11.55 अरब डॉलर की तुलना में 5.6 फीसदी कम है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एफडीआई करीब 43 फीसदी बढ़कर 13.6 अरब डॉलर रहा था। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में 47.8 फीसदी की वृद्धि रही थी और 16.17 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर में 21.3 फीसदी बढ़कर

62.48 अरब डॉलर पहुंच गया। इसमें शेयर बाजार में निवेश, पुनर्निवेशित आय व अन्य पूंजी शामिल है।

इन क्षेत्रों में वृद्धि

सेवाओं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, व्यापार, दूरसंचार, वाहन और रसायन क्षेत्रों में अप्रैल-दिसंबर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है। सेवा क्षेत्र में एफडीआई बढ़कर 7.22 अरब डॉलर और गैर-परंपरागत ऊर्जा क्षेत्र में 3.5 अरब डॉलर रहा।

महाराष्ट्र सबसे आगे

पहले नौ महीने में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 16.65 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। गुजरात 5.56 अरब डॉलर के साथ दूसरे और कर्नाटक 4.5 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

- **भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी में जुटाई 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग–** भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी, 2025 में 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है ।यह आंकड़ा जनवरी के 1.38 अरब डॉलर से 19.5 फीसदी अधिक है ।यह फंडिंग 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर मिली है ।ट्रैक्सन के मुताबिक, नई फंडिंग के साथ 2024–25 (अप्रैल–फरवरी) में 2,200 दौर में कुल वित्तपोषण 25.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले महीने जुटाई गईकुल राशि फरवरी, 2024 2.06 अरब डॉलर के आंकड़े से कम है। स्टार्टअप राजधानी बंगलूरू में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर की फंडिंग हासिल की है। औसतन एक दौर में 20 लाख डॉलर जुटाएगए। मुंबई के स्टार्टअप ने 10.2 करोड़ डॉलर वित्तपोषण हासिल किया। फिनटेक कंपनी ऑक्सीजो परंपरागत कर्ज मद में एक अरब डॉलर की फंडिंग जुटाकर इस मामले में सबसे आगे रही है।

नीति आयोग की नई रिपोर्ट: देश में तेजी से कर्ज ले रहीं महिलाएं

व्यावसायिक ऋण में 14 फीसदी बढ़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाएं कारोबारी और अन्य जरूरतों के लिए तेजी से कर्ज ले रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित उत्तरी-मध्य राज्यों में पिछले पांच वर्षों में सक्रिय महिला उधारकर्ताओं की संख्या सालाना 22 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ी है। नीति आयोग की ओर से सोमवार को लॉन्च उधारकर्ताओं से बिल्डरों तक ः भारत की वित्तीय विकास की कहानी में महिलाओं की भूमिका रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 से 2024 तक व्यावसायिक ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 14 फीसदी और गोल्ड लोन में 6 फीसदी बढ़ी है। दिसंबर, 2024 तक कुल व्यावसायिक उधारकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 35 फीसदी पहुंच गई। इनमें छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं का हिस्सा 60 फीसदी रहा।

क्रेडिट स्कोर पर नजर रखने में छोटे शहरों की महिलाएं आगे

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी), ट्रांस यूनियन सिबिल और माइक्रोसेव कंसल्टिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाएं अपने क्रेडिट स्कोर पर सक्रिय नजर रख रही हैं। खास बात है कि छोटे शहरों की महिलाएं मेट्रो शहरों की तुलना में अपने क्रेडिट की खुद सक्रिय निगरानी कर रही हैं। ऐसी महिलाओं की संख्या छोटे शहरों में 48 फीसदी और मेट्रो क्षेत्रों में 30 फीसदी बढ़ी है।

दिसंबर, 2024 तक 2.7 करोड़ महिलाएं अपने क्रेडिट की निगरानी कर रही थीं, जो सालाना आधार पर 42 फीसदी अधिक है। यह महिलाओं में बढ़ती वित्तीय जागरूकता का संकेत है। 2024 में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में अपने क्रेडिट स्कोर की सक्रिय निगरानी रखने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 49 फीसदी पहुंच गई।

महिला उद्यमिता बढ़ाने से 17 करोड़ मिलेंगे रोजगार

नीति आयोग के प्रमुख आर्थिक सलाहकार और डब्ल्यूईपी के मिशन निदेशक अन्ना रॉय ने कहा, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना देश में कार्यबल में आने वाली महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का तरीका है।

यह समान आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक व्यवहार्य रणनीति के रूप में भी काम करता है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने से 15 से 17 करोड़ लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है।

चुनौती...समान वित्तीय पहुंच के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, सरकार मानती है कि फंडिंग तक पहुंच महिला उद्यमिता के लिए बुनियादी जरूरत है। महिला उद्यमिता मंच एक समावेशी तंत्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जो वित्तीय साक्षरता, कर्ज तक पहुंच, सलाह और बाजार संबंधों को बढ़ावा देता है। हालांकि, खराब बैंकिंग अनुभव, कर्ज मिलने में बाधाएं और गारंटर के साथ समस्याएं जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। समान वित्तीय पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है।

फिर महंगा हुआ सोना, भाव 1,300 रुपये चढ़ गए

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में व्यापार युद्ध या ट्रेड वार की चिंता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ रहे हैं। जिससे सोने की मांग बढ़ी है। तभी तो सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। सोना फिजिकल डिलीवरी जहां दो दिन में ही 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया है। वहीं चांदी भी कीमत भी प्रति किलो 1,650 रुपये बढ़ी है।

पिछले दो दिनों में ही सोने के भाव में प्रति 10 ग्राम 1,300 रुपये की तेजी आई है। दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 57,408 प्रति 8 ग्राम और 24 कैरेट सोने का भाव 61,240 प्रति 8 ग्राम है। हालांकि, आज स्ष्टङ्क पर अप्रैल डिलीवरी सोने का भाव सुबह 10ः30 बजे 85,513 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले दिन के भाव से 0.15 प्रतिशत या 129 कम था।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतें बढ़त के साथ बंद हुई थीं। सोने का अप्रैल वायदा भाव 1.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,384 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

वहीं, चांदी का मई वायदा भाव 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 96,055 प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ।

क्यों बढ़ रही हैं कीमतें–
पृथ्वी फिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के बीच सप्ताहांत में हुई तनावपूर्ण बैठक और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी ने सुरक्षित निवेश की मांग के चलते अच्छी बढ़त दर्ज की। डॉलर इंडेक्स में लगभग 1.0 प्रतिशत की गिरावट आई जिससे सोने और चांदी की कीमतों को बल मिला। आज स्न डॉलर इंडेक्स, ष्ठङ्गङ्घ, 106.58 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसमें 0.17 या 0.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

भारत में मांग कम

हालांकि, ऊंची कीमतों के कारण भारत और चीन में सोने-चांदी की मांग कम हुई है, जो इन धातुओं की कीमतों में तेजी को सीमित कर सकती है। बाजार अमेरिकी राष्ट्रपति के भाषण पर भी नजर रखेगा, जिससे धातु बाजारों की दिशा तय होगी। जैन का मानना है कि डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी व्यापार युद्ध के बीच इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को लेकर अच्छी खबर आई है। कंपनी के शेयरों में मंगलवार को तेज उछाल देखने को मिला है। इस उछाल के पीछे की वजह सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को मिला काम है। कंपनी को यह काम जिंदल ग्रीन विंड लिमिटेड को मिला है। वर्क ऑर्डर डीटेल्स के अनुसार कंपनी को 204.75 मेगावाट का काम मिला है। बता दें, जिंदल ग्रीन विंड लिमिटेड, जिंदल रिन्यूएबल्स की सब्सिडियरी कंपनी है। बीएसई में सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 48.90 रुपये के लेवल पर खुला था। इसके बाद 5 प्रतिशत की उछाल के बाद दिन में कंपनी के शेयर 51.48 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। मौजूदा समय में कंपनी के शेयर 51 रुपये के रेंज में ट्रेड कर रहे हैं।

उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में मिले थे दो बड़े ऑर्डर– इससे पहले मिले दो बड़े भी कंपनी को जिंदल ग्रुप से ही मिले थे। कंपनी को यह काम छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में मिला था। यह काम कुल 702.45 मेगावाट का मिला है। कंपनी के पास अब कुल 5.9 गीगावाट का काम हो गया है।

शेयर बाजार में संघर्ष कर रहा था स्टॉक– बीते 6 महीने के दौरान सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में बहुत हलचल सी मची हुई है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 21 प्रतिशत से अधिक गिरा है। वहीं, 6 महीने के दौरान

सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 31 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, इस हलचल के बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में एक साल के दौरान 19 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, सेंसेक्स इंडेक्स इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1.28 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

रिजवान का पत्ता साफ, पाकिस्तान टीम को मिला नया कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के ठीक बाद पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खेलनी है. पाक टीम का एलान करके सलमान आगा को नया टी20 कप्तान नियुक्त कर दिया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम की छुट्टी हो गई है, हालांकि चयनकर्ताओं ने दोनों फॉर्मेट में अब भी शाहीन शाह अफरीदी पर भरोसा दिखाया है.

अभी पाकिस्तान टीम के अंतरिम हेड कोच आकिब जावेद ने लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सलमान आगा को कप्तान बनाने की जानकारी दी. सबसे चौंकाने वाला फैसला यह है कि टी20 टीम से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर कर दिया गया है. आकिब जावेद ने बताया कि टीम मैनेजमेंट युवाओं को मौका देना चाहता है. बताते चलें कि टी20 स्क्वाड से नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को भी ड्रॉप कर दिया गया है.

31 साल के सलमान आगा के हाथों में कमान

कब खेली जाएगी पाकिस्तान-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज

अभी न्यूजीलैंड टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेल रही है, जहां 5 मार्च को उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलना है. पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 16 मार्च से शुरू होगी और 26 मार्च तक दोनों टीमों के बीच पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. बताते चलें कि टी20 सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी. पाकिस्तान, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान होते हुए भी एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया था और ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था.

पाकिस्तान का टी20 स्क्वाड:

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मुकीम, उस्मान खान.

बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा, योगराज सिंह ने किया है ऐसा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना दूंगा. ये बयान युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का बताया जा रहा है, जो कि अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. अब अगर ऐसा है तो ये एक बड़ा दावा है. मगर योगराज सिंह के इस दावे की फिलहाल पुष्टि नहीं करता. सोशल मीडिया पर चल रहा योगराज सिंह का बयान हैंडल से पोस्ट किया गया है, जिसके मुताबिक वो बाबर आजम को एक महीने में ट्रेविस हेड बना देंगे.

योगराज सिंह ने कहा है कि बाबर आजम को सिर्फ एक महीने के लिए मेरे साथ छोड़ दो और फिर मैं उसे ट्रेविस हेड बना दूंगा. हालांकि, ये बयान कितना पुख्ता है, इस बारे में कुछ भी साफ नहीं है. हमने जब इसकी जानकारी जुटाने की कोशिश की तो हमें फिलहाल कहीं और कुछ भी नहीं मिला.

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के फीके प्रदर्शन के बाद योगराज सिंह ने स्पोर्ट्स नेक्स्ट को दिए इंटरव्यू में ये जरूर कहा था कि अगर वो पाकिस्तान के कोच बनते हैं तो उस टीम की दशा और दिशा दोनों बदल देंगे. योगराज ने कहा था कि कभी-कभी उन्हें लगता है कि पाकिस्तान की टीम को फोन करके कहें कि अगर उनके पास कोच नहीं है तो ये टीम एक साल के लिए उन्हें दे दें फिर वो उन्हें बब्बर शेर बना देंगे. योगराज सिंह ने माना था कि पाकिस्तान की टीम में वो सबकुछ है, जो एक बेहतर टीम बनने के लिए चाहिए. उनके पास बड़े स्टार्स है तो तेज रफ्तार वाले गेंदबाज भी हैं. अगर कुछ नहीं है तो वो है अच्छी व्यवस्था.

जॉर्ज लिंडे दक्षिण अफ्रीका की टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए

लाहौर, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है। वह दाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे एडेन मार्करम की जगह लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ फील्डिंग करते समय मार्करम को चोट लगी थी और उन्हें मैच के बाकी समय मैदान से बाहर बैठना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए उनकी उपलब्धता मंगलवार शाम के प्रशिक्षण सत्र के दौरान फिटनेस टेस्ट के बाद तय की जाएगी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, लिंडे का शामिल होना दक्षिण अफ्रीका की आकस्मिक योजना का हिस्सा है, खासकर अगर वे दुबई में होने वाले फाइनल में पहुंचते हैं, जहां शुष्क परिस्थितियों के कारण अतिरिक्त स्पिनर की जरूरत पड़ सकती है।

लिंडे दक्षिण अफ्रीका के 2014 के सफल अभियान के बाद टीम में शामिल हुए हैं, जहां उन्होंने एमआई केपटाउन की पहली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 11 मैचों में उन्होंने 153.33 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए और 6.29 की शानदार इकॉनमी से 11 विकेट लिए। हाल ही में, उन्होंने वनडे चैलेंज डिवीजन वन में वेस्टर्न प्रोविंस के लिए खेला, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 106 रन बनाए और चार विकेट लिए।

शमा मोहम्मद ने विराट कोहली को भी बताया था विदेशी, शादी को लेकर भी उठाया था सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के वजन पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा का वजन जरूरत से ज्यादा है और प्रभावी कप्तान नहीं है। इस बयान के बाद काफी हंगामा मचा था। शमा ने पहली बार किसी क्रिकेटर पर बयान नहीं दिया है। वह इससे पहले विराट कोहली को लेकर भी विवादित बयान दे चुकी हैं।

शमा मोहम्मद ने कोहली को लेकर दिया था बयान

सोशल मीडिया पर शमा मोहम्मद का सात साल पुराना ट्वीट वायरल हुआ है। इस पोस्ट में वह विराट कोहली पर निशाना साध रही थीं। विराट कोहली ने उस समय एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया को पसंद करने वालों को वहीं चले जान चाहिए। शमा ने इसी इंटरव्यू को लेकर कोहली पर निशाना साधा था और वह उसकी शादी तक को बीच में ले आई थीं।

कोहली को किया था ट्रोल

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'विराट कोहली ब्रिट्रिश द्वारा बनाया गया गेम खेलते हैं, वह विदेशी ब्रांड्स को एंडोर्स करके करोड़ों रुपए कमाते हैं, उन्होंने इटली में शादी की। हर्षल गिब्स को अपना

पसंदीदा क्रिकेटर और एंजलीक कर्बर को पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी मानते हैं और विदेशी बल्लेबाजों को पसंद करने वालों को भारत छोड़ने को कहते हैं।'

रोहित शर्मा को लेकर दिया था विवादित बयान

शमा ने रोहित शर्मा को लेकर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा, 'शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से वह भारत के अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान हैं।''कांग्रेस ने स्वीकार किया कि उन्होंने मर्यादा का उल्लंघन किया है और पार्टी ने उनसे पोस्ट डिलीट करने के लिये भी कहा।

एशियाई चैंपियंस लीग

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल-नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल-नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन डुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल-साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

सुशील कुमार को 19 महीने बाद मिली बेल, सागर धनकड़ मर्डर केस में हैं आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर और दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट सुशील कुमार को 19 महीने बाद जमानत मिली है। यह दूसरा मौका है जब सुशील को जूनियर रेसलर सागर धनकड़ के मर्डर केस में 2021 हिरासत में लिया था। वहीं, उन्हें इससे पहले जुलाई 2023 में घुटने की सर्जरी के लिए 7 दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी। सुशील पर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम के ही जूनियर ग्रीको रोमन रेसलर सागर धनकड़ की हत्या का आरोप लगा था। उनपर पार्किंग में पहलवान सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगा। सागर की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद सुशील कुछ समय तक इधर-उधर भागते रहे लेकिन आखिरकार उन्हें अरेस्ट कर दिया गया था.

गुजरात ने यूपी वॉरियर्ज को 90 रन से हराया-बेथ मूनी शतक से चूकीं, हरलीन ने 45 रन बनाए; काशवी-तनुजा को 3-3 विकेट

लखनऊ, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग सीजन-3 के 15वें मैच में गुजरात जायंट्स ने यूपी वॉरियर्ज को 81 रन से हरा दिया। यह सीजन में टीम की तीसरी ही जीत है। गुजरात से बेथ मूनी ने 96 और हरलीन देओल ने 45 रन बनाए। काशवी गौतम और तनुजा कंवर को 3-3 विकेट मिले। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में सोमवार को यूपी ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 5 विकेट खोकर 186 रन बनाए। जवाब में यूपी की टीम 105 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। शिनेले हेनरी ने 28 रन बनाए।

मूनी-हरलीन ने सेंचुरी पार्टनरशिप की टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात ने पहले ओवर में दयालन हेमलता का विकेट गंवा दिया। हेमलता 2 ही रन बना सकीं। बेथ मूनी ने फिर फिफ्टी लगाई और हरलीन देओल के साथ 101 रन की पार्टनरशिप कर ली। हरलीन 45 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान एश्ले गार्डनर 11 ही रन बना सकीं। डिएंड्रा डॉटिन 17, फीब लीचफिल्ड 8 और भारती फूलमाली 2 ही रन बना पाईं। मूनी एक एंड पर टिकी रहीं, उन्होंने 96 रन बनाए और टीम को 186 तक पहुंचा दिया। यूपी से सोफी एक्लेस्टन ने 2 विकेट लिए। शिनेले हेनरी और दीप्ति शर्मा को 1-1 विकेट मिला।

बेथ मूनी और हरलीन देओल ने 101 रन की पार्टनरशिप की। यूपी की बेहद खराब शुरुआत 187 रन के बड़े टारगेट का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्ज की शुरुआत बेहद

खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में 2 विकेट गंवा दिए। किरण नवगिरे और जॉर्जिया वॉल खाता भी नहीं खोल सकीं। वृंदा दिनेश 1, कप्तान दीप्ति शर्मा 6 और श्वेता सहरावत 5 रन बनाकर आउट हुईं। टीम ने 36 रन पर 5 विकेट गंवा दिए।

ओपनर ग्रेस हैरिस 25, विकेटकीपर उमा छेत्री 17 और शिनेले हेनरी 28 रन बनाकर आउट हुईं। सोफी एक्लेस्टन ने एक एंड संभाला, लेकिन उन्हें दूसरे एंड पर साथ नहीं मिला। गौहर सुल्ताना खाता भी नहीं खोल सकीं। एक्लेस्टन 14 रन बनाकर आउट हुईं और टीम 17.1 ओवर में 105 रन बनाकर सिमट गई।

काशवी ने 3 विकेट लिए गुजरात के लिए तेज गेंदबाज काशवी गौतम और तनुजा कंवर ने 3-3 विकेट लिए। डिएंड्रा डॉटिन को 2 विकेट मिले। मेघना सिंह और कप्तान एश्ले गार्डनर ने 1-1 विकेट लिया।

योगासन चैंपियनशिप: भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा।

भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी 29 से 31 मार्च तक यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में करेगा जिसमें कुल 16 देश भाग लेंगे। खेल मंत्रालय और योगासन भारत के सहयोग से आयोजित की जा रही इस चैंपियनशिप का उद्देश्य योगासन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक महत्व को अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रदर्शन करना है। एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन

इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, योग की जन्मभूमि भारत को दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त है। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है। यह हमारे प्राचीन ज्ञान का उत्सव है जो आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, हम योगासन को वैश्विक खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैंपियनशिप उस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हम इस आयोजन के माध्यम से योगासन की उपयोगिता खेल के संदर्भ में समझ सकेंगे। योगासन में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जीवन को बदलने की शक्ति भी है।

एशियाई योगासन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने चैंपियनशिप के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, योगासन चैंपियनशिप योगासन को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने के हमारे मिशन में एक निर्णायक क्षण है। हम इसमें आधुनिक एथलेटिक उत्कृष्टता के साथ परंपरा के मिश्रण को देख रहे हैं।

विश्व योगासन के महासचिव जयदीप आर्य ने कहा, इस चैंपियनशिप में पूरे एशिया के असाधारण खिलाड़ी एक मंच पर आयेंगे, जो इस प्राचीन अभ्यास की ताकत, लचीलापन और अनुशासन का प्रदर्शन करेंगे। योगासन भारत के अध्यक्ष उदित शेठ ने कहा कि भारत इस प्राचीन खेल के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दक्षिण भारतीय फिल्म में डेब्यू के लिए तैयार सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड में 'दबंग', 'तेवर' जैसी फिल्में देने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेत्री तेलुगू भाषा की फिल्म 'जटाधारा' में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। 'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इंडस्ट्री के सूत्रों ने अभिनेत्री के फिल्म में शामिल होने के संकेत दिए हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक मजबूत और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2- द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए। मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। 'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' की पौराणिक कथाओं के साथ कहानी को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है। फिल्म के बारे में सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। जटाधारा का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा। 'जटाधारा' के मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा के पास 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' भी है।

आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर चैट करने की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

आर माधवन फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए मशहूर हैं। अब उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर फैली गलतफहमियों को दूर किया, जिसमें कुछ लोगों का मानना था कि वह युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करते हैं। अभिनेता इन अफवाहों का खंडन करने और स्थिति को साफ करने के लिए आगे आए और इस मामले में अपनी बात सामने रखी। चेन्नई में एक एप के लॉन्च के दौरान आर माधवन ने सोशल मीडिया पर अपने साथ होने वाली बेवजह जांच के बारे में बात की। वह इस एप में निवेशक के तौर पर शामिल हुए हैं। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए माधवन ने एक उदाहरण साझा किया और कहा, एक युवा लड़की ने मुझे संदेश भेजा, मैंने यह फिल्म देखी। मुझे यह बहुत पसंद आई। मुझे लगा कि आप एक शानदार अभिनेता हैं, बहुत बढ़िया। आपने मुझे प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल, किस और लव इमोजी भेजे।

अभिनेता ने क्यों किया फैन को रिप्लाई?

आर माधवन ने आगे कहा कि अब, जब कोई प्रशंसक मुझसे इतने विस्तार और प्यार से बात करता है तो मैं जवाब देने के लिए मजबूर महसूस करता हूं। मैं आमतौर पर जवाब देता हूं और मैंने ऐसा ही किया। मैंने उन्हें जवाब दिया और लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत दयालु हैं। भगवान आपका भला करे। हालांकि, लड़की ने तब मेरे रिप्लाई का स्क्रीनशॉट लिया और इसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

माधवन को करना पड़ा समस्या का सामना

अब लोग क्या देखते हैं? दिल, चुंबन और प्यार भरी बातें और मैडी ने इसका जवाब दिया है। मेरा इरादा उस पर जवाब देने का नहीं था। मेरा इरादा उसके संदेश का जवाब देने का था, लेकिन यह एक छोटी सी बात है, आप केवल उस प्रतीक को देखते हैं और कहते हैं ओह मैडी छोटी लड़कियों से बात कर रहा है। अगर मुझे यही डर है और मुझे हर बार सोशल मीडिया पर संदेश डालते समय इधर-उधर भागना पड़ता है तो क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे मेरे अनुभव के साथ इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो किसी दूसरे व्यक्ति को कितनी समस्या होगी?

सलमान को अल्लू अर्जुन ने किया रिप्लेस?

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि डायरेक्टर एटली कुमार ने अपनी आगामी फिल्म से बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान को रिप्लेस कर दिया है। एटली अब सलमान खान की जगह फिल्म में अल्लू अर्जुन को कास्ट करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक डायरेक्टर एटली कुमार की अपकमिंग फिल्म में सलमान खान नहीं नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि सलमान खान की पिछली फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन के कारण एटली कुमार ने यह फैसला किया है। डायरेक्टर सलमान खान और रजनीकांत के साथ इस फिल्म को बनाना चाहते थे, लेकिन अब उन्होंने सलमान खान की जगह फिल्म में अल्लू अर्जुन को कास्ट कर लिया है और दूसरे एक्टर की तलाश में हैं। 600 करोड़ रुपए के बजट में बनने जा रही इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस करने जा रहा है। एक्शन से भरपूर यह फिल्म पुनर्जन्म थीम पर आधारित होगी। जिसमें तीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है।

11 साल 11 फिल्में बस एक ब्लॉकबस्टर, फिर भी इन वजहों से हिट हैं टाइगर श्रॉफ

डांस, एक्शन और रोमांस फिल्मों में टाइगर श्रॉफ अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। बड़े स्टार के बेटे होने के बाद भी खुद के संघर्षों से बॉलीवुड में जगह बनाने वाले अभिनेता का आज जन्मदिन है। आइए जानते हैं इनकी पर्सनल लाइफ और करियर की कुछ रोचक बातें।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ का जन्म 2 मार्च 1990 को मुंबई में हुआ था। टाइगर का असली नाम जय हेमंत श्रॉफ है, लेकिन इनके पिता बचपन से ही इन्हें प्यार से टाइगर नाम से बुलाते थे। इस वजह से बॉलीवुड में भी अभिनेता ने 'टाइगर' नाम से उपलब्धि हासिल की। वहीं दूसरी ओर टाइगर को मार्शल आर्ट्स और फिटनेस का बहुत शौक है।

बचपन में ही डायरेक्टर ने फिल्म ऑफर की

टाइगर जब पैदा हुए तो मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई उन्हें देखने पहुंचे। उन्होंने टाइगर के पिता जैकी श्रॉफ को टाइगर के साइनिंग अमाउंट के तौर पर 101 रुपये दिये। सुभाष ने जैकी से कहा कि बतौर एक्टर तुम्हारे बेटे को मैं ही लॉन्च करूंगा।

फिल्मों की दुनिया में टाइगर

चर्चित स्टार के बेटे होने के बावजूद परिवार ने चाहा कि वह अपना करियर खुद बनाए। अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2014 में फिल्म 'हीरोपंती' से की थी, जिसे साजिद नाडियाडवाल ने प्रोड्यूस किया था और सब्बीर खान ने निर्देशन। इस फिल्म को लेकर इनकी कुछ आलोचनाएं भी हुई थी। वहीं एक ओर इस फिल्म के 'व्हिसल बजा' और 'रब्बा' गाने बहुत हिट साबित हुए थे। इसके बाद उन्होंने बागी, ए फ्लाइंग जट, मुन्ना माइकल, स्टूडेंट ऑफ द ईयर जैसी फिल्मों में बतौर मुख्य भूमिका में काम किया। इनमें से इनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी, जिस कारण वह डिप्रेशन में चले गए थे। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू में किया था। साल 2019 में रिलीज हुई 'वॉर' फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी। इसमें टाइगर के साथ अभिनेता ऋतिक रोशन भी मुख्य भूमिका में थे।

सामंथा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किए 15 साल

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने फिल्मी दुनिया में15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर एक खास कार्यक्रम में सामंथा रुथ प्रभ को सम्मानित किया गया। यह लम्हा प्यार, पुरानी यादों और प्रशंसकों के उत्साह से भरा हुआ था। जब उन्होंने अवॉर्ड हासिल किया तब वह उत्साहित लग रही थीं। सामंथा के फिल्मी दुनिया में 15 साल पूरे होने पर उन्हें एमसीआर ग्रुप ऑफ कंपनीज की तरफ से सम्मानित किया गया। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, इसमें उन्होंने लिखा कि 15 साल। महान। सौभाग्यपूर्ण। प्यारे। बहुत कुछ आना बाकी है। धन्यवाद चेन्नई। सम्मान के लिए शुक्रिया। सामंथा ने अवॉर्ड की जगह से साड़ी में अपनी कई फोचो शेयर की हैं। सामंथा ने अपने लुक को गोल्डन साड़ी और गहनों से पूरा किया था। सामंथा के काम की बात करें तो वह आखिरी बार सिटाडेल हनी बनी में नजर आई थीं। उनके साथ वरुण धवन ने काम किया है। सामंथा ने साल 2010 में तेलुगू फिल्म ये माया चेसावे से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में सर्वश्रेठ डेब्यू अभिनेत्री के लिए उन्हें फिल्म फेयर अवॉर्ड मिला।

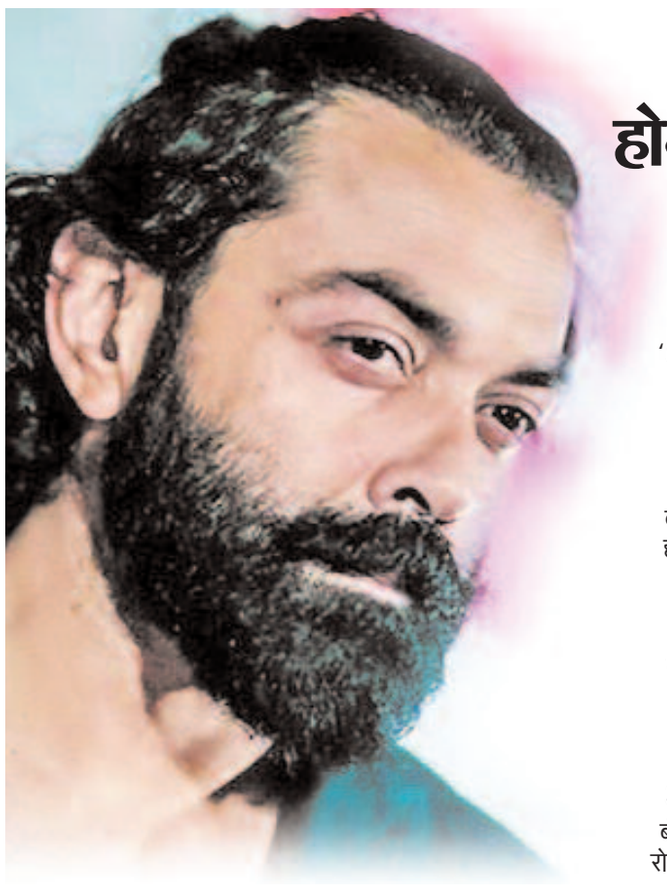

अब नेगेटिव रोल की इमेज से अलग होना चाहते हैं बॉबी देओल, वेब सीरीज को एक्टर्स के लिए वरदान बताया

हाल ही में एक्टर बॉबी देओल ने बताया कि फिल्म 'एनिमल', 'कंगुवा' और वेब सीरीज 'आश्रम' में निभाए गए विलेन के रोल के कारण उन्हें नेगेटिव रोल ही ऑफर हो रहे हैं। लेकिन अब वह नए किरदारों को निभाना चाहते हैं।

बॉबी बोले टाइपकास्ट हो गया हूं

वेब सीरीज 'आश्रम 3' के दो पार्ट में निराला बाबा के रोल में बॉबी देओल फिर से छा गए हैं। हाल ही में बातचीत में बॉबी देओल कहते हैं, ' सीरीज 'आश्रम' ने मेरी जिंदगी बदल दी, लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा। दर्शक सोचते हैं कि बॉबी देओल एक विलेन का रोल भी अच्छे से निभा सकता है। लेकिन अब फिर से मैं इस तरह के रोल में टाइपकास्ट हो रहा हूं। मैं इस इमेज से बाहर निकलना चाहता हूं।

आसान नहीं रहा नेगेटिव रोल निभाना

बॉबी देओल आगे कहते हैं, 'मैं अभी जो नेगेटिव रोल निभा रहा हूं, वे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर हैं। शुरू में मुझे शर्म आती थी। इस बात को लेकर थोड़ी हिचकिचाहट होती है कि दूसरे आपके काम पर कैसा रिएक्शन देंगे। लेकिन मुझे नेगेटिव रोल निभाने पर पॉजिटिव रेस्पॉन्स मिला।'

लॉर्ड बॉबी टैग पर बात की

ऑडियंस ने बॉबी देओल को लॉर्ड बॉबी का टैग दिया है, इस पर वह क्या सोचते हैं। बॉबी कहते हैं, 'पहले ये सब सोशल मीडिया पर मजाक के तौर पर शुरू हुआ, लेकिन आगे चलकर दर्शक इसके जरिए अपना प्यार जताने लगे। इस तरह से वे मेरी मेहनत को सराहते हैं।'

ओटीटी को वरदान बताया

बॉबी देओल के करियर में बड़ा बदलाव वेब सीरीज 'आश्रम' में काम करके ही आया था। ऐसे में वह ओटीटी प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हैं। बॉबी कहते हैं, 'मैं उम्र के उस मुकाम पर हूं, जहां मुझे लीड रोल निभाने की टेंशन नहीं है। साथ ही मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म एक्टर्स के लिए एक वरदान है।'

फिर साथ आए ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल

ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल अभिनीत जिंदगी ना मिलेगी दोबारा अपनी रिलीज के 13 साल बाद भी प्रशंसकों की पसंदीदा बनी हुई है। जबकि दर्शक जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच अब ऋतिक, फरहान और अभय हाल ही में फिर से साथ आए, लेकिन दुख की बात है कि सीक्वल के लिए नहीं।

साथ नजर आई तिकड़ी

ऋतिक, फरहान और अभय यास आइलैंड के साथ एक विशेष सहयोग के लिए फिर से साथ आए। तीनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की और एक संयुक्त पोस्ट में लिखा, समय लगा, लेकिन आखिरकार हमने यस कहा- जिंदगी को यस बोल। प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर उत्साह के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की, हालांकि कई लोगों ने अनुमान लगाया कि यह सहयोग किसी विज्ञापन के लिए था। इस साल की शुरुआत में फरहान ने ऋतिक और अभय के साथ एक रेस्तरां में बैठे हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में अभय को एक किताब को घूरते हुए देखा गया था। ऋतिक ने भी उसी किताब को देखते हुए कहा, अविश्वसनीय, जबकि फरहान ने कहा, शानदार। जिस किताब को तीनों देख रहे थे, वह थी द थ्री मस्किटर्स, जो फ्रांसीसी लेखक एलेक्जेंडर डुमास का क्लासिक एडवेंचर उपन्यास है।

फिल्म के कलाकार

फरहान अख्तर ने इस पोस्ट में अपनी बहन और फिल्म निर्माता जोया अख्तर को टैग किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, जोया अख्तर क्या आपको ये संकेत दिख रहे हैं? बैकग्राउंड में फरहान ने प्रतिष्ठित जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का गाना सेनोरिटा जोड़ा गया था, जिससे प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए।